प्रेरणास्त्रोतः स्व. डॉ. एलसी वालिया

@haryanavatika www.haryanavatika.in @haryanavatika @haryanavatika

हरियाणा वाटिका

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

लोहारू से प्रकाशित सोच बिल्कुल निष्पक्ष

RNI No-HARHIN/2019/79021 वर्ष : 06, अंक: 221 पृष्ठ: 08, मूल्य: रू. 1.00 रविवार, 15 जून 2025 haryanavatika@gmail.com +91-9255149495

ऊर्जा मंत्री विज ने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को दिए निर्देश

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य के लोगों को बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और बिजली जाने/कट के संबंध में संबंधित एसई को रोजाना एक रिपोर्ट ऊर्जा मंत्री के कार्यालय में भेजनी होगी। उनके इन निदेर्शों के संबंध में यदि किसी भी अधिकारी द्वारा कोई लापरवाही बरती गई तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

श्री विज आज नई दिल्ली में मीडियाकर्मियों द्वारा गर्मियों में बिजली की आपूर्ति को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे।

16 हजार मेगावाट बिजली की व्यवस्था की हुई है

उन्होंने कहा कि ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को आज उनके द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि प्रतिदिन उन्हें प्रत्येक अधीक्षक अभियंता (एसई) से उनके अधिकार क्षेत्र में कितने घंटे बिजली की आपूर्ति नहीं हुई और आपूर्ति न होने के क्या कारण रहे, के संबंध में पूरी रिपोर्ट रोजाना ऊर्जा मंत्री को भेजनी होगी।

श्री विज ने कहा कि हरियाणा में बिजली आपूर्ति को लेकर किसी भी प्रकार से कोई दिक्कत नहीं है। हरियाणा में हमें अधिकतम 16 हजार मेगावाट बिजली की आवश्यकता पड़ती है और 16 हजार मेगावाट बिजली आपूर्ति करने की हमने पूरी व्यवस्था की हुई है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सादगी के कायल हुए ग्रामीण

गांव गोरखपुर से लुधियाना जाते समय मुख्यमंत्री का काफिला अचानक गांव जांडली में रुका

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने फतेहाबाद के गांव गोरखपुर से लुधियाना (पंजाब) जाते समय अनेक गांवों में काफिला रुकवाकर ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। अचानक अपने बीच मुख्यमंत्री को देखकर ग्रामीण उत्साहित नजर आए। ग्रामीण उनके सौम्य स्वभाव व सादगी के कायल हो गए। मुख्यमंत्री ने लोगों का हाल चाल जाना और युवाओं ने उनके साथ सेल्फी भी ली। श्री नायब सिंह सैनी ने अपना काफिला गांव जांडली खुर्द, चंद्रावल, भुना, लहरिया, टिब्बी, कुला, जाखल में रूकवा कर ग्रामीणों का कुशलक्षेम जाना। मुख्यमंत्री ने आम आदमी की तरह ग्रामीणों के बीच खड़े होकर बातचीत की।

लोगों का कहना था कि इस प्रकार मुख्यमंत्री का सादगी और अपनेपन के भाव के साथ उनसे मिलना उनके मिलनसार व्यक्तित्व की झलक दिखाता है।

सैनी रेवाड़ी में 95 करोड़ रुपये से बने आधुनिक जेल परिसर का करेंगे उद्घाटन

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सुबह 10 बजे रेवाड़ी जिले के फिदेरी गांव में नवनिर्मित अत्याधुनिक जेल परिसर का उद्घाटन करेंगे। यह 95 करोड़ रुपये की लागत से बनाई गई है और लगभग 50 एकड़ क्षेत्र में है। गृह, जेल, आपराधिक जांच एवं न्याय प्रशासन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि नया जेल परिसर रेवाड़ी में जेल बुनियादी ढांचे की लंबे समय से चली आ रही कमी को पूरा करेगा। अब तक जिले में केवल 65 कैदियों की क्षमता वाली एक छोटी जेल थी, जिसके कारण 700 से अधिक कैदियों को गुरुग्राम, नारनौल और झज्जर की सुविधाओं में स्थानांतरित किया गया था।

नई जेल को लगभग 1,000 कैदियों को रखने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा क्षेत्र में कैदी प्रबंधन में रसद संबंधी चुनौतियों में कमी आएगी।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि गंभीर अपराधों में शामिल अपराधियों के लिए रोहतक में उच्च सुरक्षा वाली जेल का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है तथा राज्य भर में जेल प्रशासन में पेशेवर मानकों को बढ़ाने के लिए हाल ही में करनाल में जेल कर्मचारियों के लिए अत्याधुनिक प्रशिक्षण अकादमी की स्थापना की गई है।

हरियाणा में गुंडे-बदमाश बेखौफ: भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि हरियाणा में भाजपाराज नहीं, बल्कि गुंडाराज चल रहा है। यही वजह है कि गुंडे-बदमाश बेखौफ होकर वारदातों का अंजाम दे रहे हैं और आम जनता डर के साए में जीने को मजबूर है। जिस बीजेपी को जनता ने सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी है, वह खुद सत्ता की मदमस्त नींद में सो रही है और प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर पर अपराध को संरक्षण दे रही है। रोहतक में बदमाशों ने शराब के ठेके पर की फायरिंग, इंस्टाग्राम पर डाला वीडियो। हांसी में व्यापारी से मांगी 50 लाख की फिरौती। टोल प्लाजा पर फायरिंग, खाद की दुकान पर भी गोलियां चलाई। फैक्ट्री मालिक से मांगी 50 लाख की फिरौती। कुरुक्षेत्र में शराब ठेकेदार की गोलियां मारकरहत्या। पिंजौर में धमकी देकर 2 दिन बाद कर दी हत्या। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि ये पिछले कुछ दिनों में छपी अखबारों की सुर्खियां है। रोज अखबार ऐसी खबरों से भरे मिलते हैं। लेकिन बीजेपी सरकार को यह सब दिखाई नहीं दे रहा। क्योंकि कानून व्यवस्था व जनता की सुरक्षा कभी भी बीजेपी की प्राथमिकता नहीं रही। यही वजह है कि जब भी भाजपा सत्ता में आती है, प्रदेश में गुंडाराज स्थापित हो जाता है। इससे पहले जब साल 2000 से 2005 तक बीजेपी और इनेलो की सरकार थी, तब हरियाणा में ऐसी ही गुंडागर्दी और माफियाराज था।

मणिपुर: कई घाटी जिलों में 328 हथियार बरामद

इंफाल/हरियाणा वाटिका एजेंसी

मणिपुर में हिंसा पर काबू पाने और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए चलाए गए एक बड़े अभियान में सुरक्षा बलों ने 328 हथियार बरामद किए हैं। यह तलाशी अभियान मणिपुर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल सेना और असम राइफल्स की संयुक्त टीमों ने घाटी के पांच जिलों में चलाया। मणिपुर पुलिस के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ल्हारी दोरजी ल्हातू ने बताया कि यह अभियान 13 और 14 जून की रात को शुरू किया गया था। उन्होंने बताया, संवेदनशील पांच घाटी जिलों के बाहरी क्षेत्रों में खुफिया जानकारी के आधार पर यह अभियान चलाया गया था।

विज ने छावनी के लिए तीन मांगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के समक्ष रखी

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने दिल्ली में भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके निवास पर मुलाकात की। इस दौरान ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने अपने विधानसभा क्षेत्र अम्बाला छावनी के लिए तीन मांगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के समक्ष रखी। इनमें प्रमुख सिविल अस्पताल विस्तार हेतु सैन्य भूमि लेने, अम्बाला छावनी घरेलू हवाई अड्डा आने-जाने हेतु फोरलेन मार्ग बनाने तथा सैन्य क्षेत्र के साथ लगती सड़कों को चौड़ा करना शामिल है। ऊर्जा, परिवहन व श्रम मंत्री अनिल विज ने अंबाला छावनी में सिविल व कैंसर अस्पताल विस्तार के लिए इसके साथ लगती सेना की जमीन हरियाणा सरकार को देने के लिए निवेदन किया। गौरतलब है कि सिविल अस्पताल परिसर में 9 मई 2022 में अटल कैंसर अस्पताल की शुरूआत की गई थी, अब यहां बड़ी संख्या में आसपास सात राज्यों के कैंसर मरीज ईलाज हेतु आ रहे हैं। मरीजों के साथ उनके तीमारदार होते हैं जिनके रहने के लिए कोई उपयुक्त जगह अभी नहीं है। श्री विज द्वारा तीमारदारों के लिए धर्मशाला बनाने की योजना है जिसके लिए जमीन चाहिए। अम्बाला छावनी सिविल अस्पताल में क्रीटिकल केयर सेंटर भी स्थापित होना है और इसके लिए राज्य सरकार की ओर से राशि भी मंजूर हो चुकी है। इसी प्रकार सिविल अस्पताल में स्पाईनल इंजरी खोलने की योजना है जिसके लिए लगभग दो से तीन एकड़ भूमि चाहिए। इस सेंटर में रीड की हड्डी से संबंधित बीमारियों के मरीजों का उपचार होगा। सेंटर खोलने की मंजूरी पूर्व में मिल गई थी। सेंटर में मरीजों की रीड की हड्डी से संबंधित सभी बीमारियों के उपचार का व्यापक प्रबंधन भी होगा। गौरतलब है कि अम्बाला छावनी का सिविल अस्पताल दशकों पहले बना था और तब अंबाला की जनसंख्या केवल 30 से 35 हजार थी जोकि अब लगभग ढाई लाख पहुंच चुकी है। इसी वजह से अस्पताल का विस्तार करने की अति आवश्यकता है और इसी वजह से ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने सैन्य जमीन लेने हेतु रक्षा मंत्री से आज निवेदन किया है।

अर्श गांधी ने नीट यूजी परीक्षा में हरियाणा में किया टॉप

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा शनिवार को घोषित नीट यूजी 2025 के परिणाम में करनाल के रहने वाले अर्श गांधी ने ऑल इंडिया में 11वीं रैंक हासिल की है। अर्श को 99.9995021 पर्सेंटाइल मिले हैं। वह करनाल के ही प्राइवेट इंस्टीट्यूट में कोचिंग लेता था। अर्श की मां डॉ. मीनू गांधी और पिता डॉ. अरुण गांधी करनाल में अस्पताल चलाते हैं। चंडीगढ़ में नंदिता सरीन, हिमाचल में आरव ठाकुर और पंजाब में केशव मित्तल ने टॉप किया है। केशव मित्तल ने ऑल इंडिया रैंक 7 हासिल की है। उसके पर्सेंटाइल 99.9996832 है।

हरियाणा के टॉपर अर्श गांधी का कहना है कि मैं अध्ययन को लेकर पूरी तरह नियमित रहा। पुराने टेस्ट सीरीज हल करने से परीक्षा का पैटर्न समझ में आया। इन्हें हल करने से समय भी ठीक हुआ। जो भी संदेह थे, उन्हें तुरंत शिक्षकों से हल करा लिया। मैंने बोर्ड परीक्षा के साथ ही नीट की तैयारी शुरू कर दी थी। बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए मैंने अलग से कोई कोचिंग नहीं दी। नीट की तैयारी करा रहे टीचर्स से ही बोर्ड संबंधी सवाल का हल पूछ लेता था। 2 साल से मैं नीट की तैयारी कर रहा था।

इसी के साथ बोर्ड परीक्षा दी, जिसमें उसके 95 प्रतिशत नंबर आए।

सभी नौ विधानसभा क्षेत्र में हर वर्ग का ध्यान रखना है: सैलजा

मंडी डबवाली/सिरसा/हरियाणा वाटिका एजेंसी

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश की जनता हरियाणा में कांग्रेस की सरकार देखना चाहती थी पर पता नहीं किस कारण से कांग्रेस की सरकार बनते हुए रह गई, खैर जो भी कमी रही हो उसे दूर करके फिर से अपने काम में जुट जाना है, जनता के बीच रहता जनता की सेवा करनी है क्योंकि भाजपा की इस जुमलेबाज सरकार से जनता का मोह भंग होता जा रहा है। वे शनिवार को संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास धर्मशाला एवं प्रबंध कमेटी डबवाली की ओर से चौहान नगर स्थित रविदास धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रही थी। इसके कार्यक्रम के बाद सैलजा ने रिक्शा यूनियन डबवाली से बातचीत की। श्री गुरू रविदास धर्मशाला में सांसद ने सबसे पहले संत रविदास की प्रतिमा के समक्ष शीश नवाया। इस मौके पर संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास प्रबंधक कमेटी के प्रधान भारत नाहर और उनकी टीक की ओर से उनका स्वागत किया गया। लोगों ने अपनी अपनी समस्याएं उनकी समक्ष रखी तो कुछ संस्थाओं ने उन्हें मांग पत्र सौंपा। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास प्रबंधक कमेटी की ओर से भी एक ज्ञापन सौंपा गया।

इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. के. वी. सिंह, वीरभान मेहता, प्रधान पवन गर्ग, इंद्र जैन, रणजीत सिंह पूर्व सरपंच सावंत खेडा, राकेश बब्बर, महेंद्र पाल सिंह, पूर्व पार्षद बबलू, रोहित मेहता बिज्जूवाली, शमिंद्र सिंह आदि मौजूद थे। इस मौके पर सांसद सैलजा ने कहा कि आज प्रदेश में भाजपा की सरकार है जबकि सरकार कांग्रेस की बनने जा रही थी, हमें इस बार और बेहतर काम करना है, आने वाले समय में कांग्रेस की ही सरकार बनेगी। कांग्रेस हर वर्ग के साथ है, हर वर्ग के लिए काम करती है। सिरसा लोकसभा क्षेत्र की जनता ने उन्हें सेवा का मौका दिया है।

हिमालयी इलाकों में लू कहर, दिल्ली-एनसीआर में गर्मी

नई दिल्ली/हरियाणा वाटिका एजेंसी

लगातार बदल रहा मौसम का मिजाज लोगों की कड़ी परीक्षा ले रहा है। किसी राज्य में बारिश का कहर दिख रहा है तो कई राज्यों में बढ़ता तापमान और लू के थपेड़े से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। असम में बारिश के बाद कई इलाकों में जलभराव सामने आया है। मौसम विभाग (क्टऊ) ने उत्तर-पश्चिम भारत में आंधी तूफान की आशंका जताई है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक नरेश कुमार ने कहा, उत्तर-पश्चिम भारत और

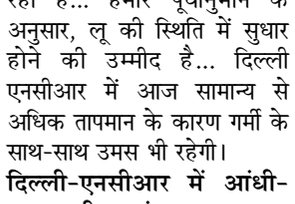

हिमालय में कई दिनों से लू चल रही है... हमारे पूवार्नुमान के अनुसार, लू की स्थिति में सुधार होने की उम्मीद है... दिल्ली एनसीआर में आज सामान्य से अधिक तापमान के कारण गर्मी के साथ-साथ उमस भी रहेगी।

दिल्ली-एनसीआर में आंधी-तूफान की आशंका

मौसम विभाग के मुताबिक, गर्मी और उमस के बाद दिल्ली-एनसीआर में आंधी-तूफान की भी आशंका है। साथ-साथ उत्तर-पश्चिम भारत में आंधी-तूफान देखने को मिल सकता है। दक्षिण प्रायद्वीप में अगले 5-6 दिनों तक मानसून सक्रिय रहेगा। मौसम विभाग के वैज्ञानिक नरेश कुमार ने कहा, पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में भारी बारिश जारी रहेगी। बदलती मौसमी परिस्थितियों के बीच अगले दो दिनों में पूर्वोत्तर भारतीय राज्यों में बारिश तेज होने का अनुमान है। मानसून महाराष्ट्र को प्रभावित कर रहा है।

24 घंटे में कोरोना के 269 नए मरीज मिले, देश में अब तक 87 जानें गई

नई दिल्ली/हरियाणा वाटिका एजेंसी

देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 269 नए केस सामने आए हैं। शनिवार सुबह 8 बजे तक देशभर में कोरोना के 7400 एक्टिव मामले हैं। वहीं मौत का आंकड़ा बढ़कर 87 हो गया। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 25 मौतें हुई हैं। शुक्रवार को राजस्थान और केरल में दो लोगों की कोरोना से मौत हो गई।

राजस्थान में 70 साल की महिला और केरल में 82 साल के बुजुर्ग ने सांस लेने में तकलीफ के चलते दम तोड़ दिया।

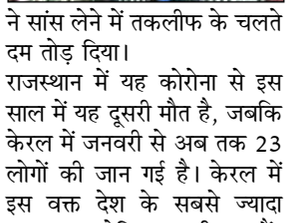

राजस्थान में यह कोरोना से इस साल में यह दूसरी मौत है, जबकि केरल में जनवरी से अब तक 23 लोगों की जान गई है। केरल में इस वक्त देश के सबसे ज्यादा 2109 कोविड मरीज हैं।

नीट-यूजी मेडिकल प्रवेश परीक्षा के नतीजे घोषित, राजस्थान के महेश कुमार शीर्ष पर

नई दिल्ली/हरियाणा वाटिका एजेंसी

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शनिवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) यूजी 2025 के नतीजे घोषित कर दिए हैं। राजस्थान के महेश कुमार ने अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम रैंक प्राप्त की है। एनटीए ने 4 मई को 552 भारतीय शहरों और दुबई, दोहा, सिंगापुर और काठमांडू सहित 14 अंतरराष्ट्रीय स्थानों में 5,468 केंद्रों पर नीट यूजी 2025 की परीक्षा आयोजित की थी। इस साल

मेडिकल प्रवेश परीक्षा में 22,09,318 उम्मीदवारों ने भाग लिया। एनटीए के अनुसार इस वर्ष 12.36 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी के लिए अर्हता प्राप्त की है। इसमें 5,14,063 पुरुष, 7,22,462 महिला और 6 थर्ड जेंडर सहित कुल 12,36,531 उम्मीदवार हैं। राजस्थान के महेश कुमार ने 99.99 प्रतिशत अंक के साथ अखिल भारतीय रैंक (एआईआर) 1 हासिल की है। उसके बाद मध्य प्रदेश के उत्कर्ष अवधिया दूसरे और महाराष्ट्र के कृषांग जोशी तीसरे स्थान पर रहे हैं। दिल्ली के मृणाल किशोर झा चौथे स्थान पर हैं। शीर्ष 10 रैंक में दिल्ली, गुजरात, पंजाब और महाराष्ट्र के सामान्य श्रेणी के छात्रों का दबदबा रहा।

देश में किसी भी अणु विद्युत प्लांट्स को लगाने के लिए 13 या साढ़े 13 साल में पूरा होना चाहिए

गोरखपुर परमाणु प्लांट से 2031 में शुरू होगा बिजली उत्पादन: मनोहर

फतेहाबाद/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी और केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को फतेहाबाद जिले के गांव गोरखपुर में स्थित गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना संयंत्र का दौरा किया। उन्होंने यहां चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया और एनपीसीआईएल के अधिकारियों की बैठक ली। यहां उनका स्वागत राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, फतेहाबाद के कांग्रेस विधायक बलवान सिंह पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, पूर्व विधायक दुड़ाराम,भाजपा के जिला प्रधान प्रवीण जोड़ा एवं एनपीसीआईएल के

अधिकारियों ने किया। अधिकारियों से बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि देश में किसी भी अणु विद्युत प्लांट्स को लगाने के लिए 13 या साढ़े 13 साल में पूरा होना चाहिए। गोरखपुर प्लांट में देरी में कई तकनीकी व एडमिनिस्ट्रेटिव कारण रहे हैं। 2031 में इसकी दो यूनिट और बाकी दो यूनिट्स 2032 में शुरू होंगी। इनसे 2800 मेगावाट बिजली मिलेगी। इसकी 50 फीसदी बिजली हरियाणा को मिलेगी। बाकी केंद्र सरकार को दी जाएगी। मनोहर लाल ने कहा कि इस प्लांट पर अब तक 42 हजार करोड़ रुपए खर्च आ चुका है। यह सारा खर्च केंद्र सरकार की ओर से वहन किया जा रहा है। अब इसका काम तेजी से चलेगा। सिविल वर्क में तेजी आएगी। जमीन रेतीली होने के कारण टाइम ज्यादा लगा है। बाद में टैरिफ का रेट राज्य सरकार के पास से तय होगा। उन्होंने बताया कि एनपीसीआईएल की ओर से अभी तक 80 करोड़ रुपए सीएसआर के तहत खर्च किए गए हैं। डीसी की अध्यक्षता में कमेटी बनेगी, उसकी निगरानी में विकास कार्य करवाए जाएंगे। मनोहर लाल ने एसी के टेम्प्रेचर को 20 से 28 डिग्री रखने की अपील पर कहा कि इस अपील का अच्छा रिस्पांस मिला है। रेगुलाइजेशन का काम सरकार का है। अच्छी बहस छिड़ी है।

अधिकांश लोग मानते हैं कि इसका लाभ मिलेगा। इसके बाद सीएम नायब सैनी पंजाब के लुधियाना शहर के लिए कार से रवाना हुए जबकि मनोहर लाल वापस हेलिकॉप्टर से दिल्ली गए। लुधियाना जाते समय सीएम नायब सैनी कुलां में काफिला रोककर नीचे उतर गए। यहां उन्होंने लोगों से बातचीत की, उनका कुशलक्षेम जाना। लोगों के साथ फोटो भी खिंचवाई और उनकी समस्याएं भी सुनी। लोगों ने कहा कि गांव रसूलपुर में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज का निर्माण शुरू करवाओ और इसकी फतेहाबाद शहर में शिफ्टिंग का मामला रोको जी। मुख्यमंत्री ने मुस्कुरा कर जवाब दिया देखेंगे।

गौरतलब है कि गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना संयंत्र का शिलान्यास तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह ने ने किया था।

भाजपा कोर कमेटी की बैठक, संपन्न कार्यक्रमों की समीक्षा हुई

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा बीजेपी कोर कमेटी की बैठक दिल्ली हरियाणा भवन में हुई। इस बैठक में मुख्यमंत्री नायब सैनी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली, प्रदेश सह प्रभारी सुरेन्द्र सिंह नागर, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, संगठन मंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा, केंद्रीय संसदीय बोर्ड की सदस्य डा. सुधा यादव, कैप्टन अभिमन्यु, राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, सुनीता दुग्गल, सुभाष बराला, रामबिलास शर्मा सहित हरियाणा के तमाम बड़े नेता मौजूद रहे। सबसे पहले सभी नेताओं ने अहमदाबाद प्लेन क्रेश की घटना पर शोक व्यक्त करते हुए मृतकों की आत्मा की शांति के प्रार्थना की गई। बैठक में संकल्प से सिद्धि तक कार्यक्रम के तहत अब तक हुए कार्यक्रमों की समीक्षा और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई।

मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाने पर गहनता से चर्चा हुई। जिलों में होने वाली संगठनात्मक नियुक्तियों पर भी मंथन किया गया। सरकार की योजनाओं, संगठनात्मक मुद्दों पर भी विचार विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सरकार द्वारा जनहित में लिए गए निर्णयों और सरकार की योजनाओं की जानकारी बैठक में रखी।

कार्यकारिणी समिति की बैठक में प्रधान ने कमेटियां बना कर मनोनीत किए चेयरमैन

ज. दादूवाल फिर से बने धर्म प्रचार चेयरमैन

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 14 जून। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी के प्रधान जत्थेदार जगदीश सिंह झींडा की अध्यक्षता में कार्यकारिणी समिति की बैठक में अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने के लिए कमेटियां बना कर उनके चेयरमैन मनोनीत किए गए हैं। इनमें सबसे अहम कमेटी धर्म प्रचार की रही, जिसके चेयरमैन की बागडोर एक बार फिर से जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल को सौंपी गई। बैठक के बाद प्रधान ने जत्थेदार दादूवाल को कुर्सी पर बैठाया। बैठक उपरांत प्रधान ने बताया कि कार्यकारिणी समिति ने कुछ कमेटियां बना कर उनके चेयरमैन मनोनीत किए हैं। जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल को धर्म प्रचार का चेयरमैन मनोनीत किया गया है, जबकि

प्रवक्ता का उत्तरदायित्व कुलदीप सिंह फग्गू को सौंपा गया है। इसके अलावा स्वास्थ्य क्षेत्र में काम करने वाली कमेटी की कमान बीबी करतार कौर संभालेंगी। कानूनी विंग के चेयरमैन की जिम्मेदारी बीबी अमनदीप कौर को दी गई है। इसके साथ ही खेलकूद क्षेत्र में बनाई गई कमेटी की चेयरपर्सन बीबी सिमरनजीत कौर होंगी। एनआरआई विंग के चेयरमैन राजिंदर सिंह बराड़ा, आईटी विंग के गुरपाल सिंह, निर्माण विंग बीबी जसबीर कौर, कर्मचारियों की भलाई विंग के बलदेव सिंह, लंगर खरीद विंग के स्वर्ण सिंह बुंगा टिब्बी, वातावरण विंग के मेजर सिंह, डायरी एवं फार्मिंग विंग के कैप्टन दिलबाग सिंह, जायदाद सुरक्षा की बीबी कपूर कौर चेयरपर्सन होगी।

घर में सो रही महिला के कानों से चुराए झुमके

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 14 जून। गांव फूलकां स्थित एक ढाणी में सो रही महिला के कानों से चोर सोने के झुमके चोरी कर ले गया।
पुलिस को दी शिकायत में कृष्ण कुमार ने बताया कि बीती 13 जून की रात्रि को परिवार के लोग खाना खाकर सो गए। सुबह करीब 4 बजे मुंह ढांपे हुए एक व्यक्ति आया और उसकी पत्नी ज्ञानी देवी के कानों से सोने के झुमके चोरी कर ले गया। सुबह जब उसकी पत्नी उठी तो उसे घटना का पता चला। उन्होंने अपने स्तर पर आसपास के लोगों से भी पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

नाबालिग को बहला फुसलाकर भगाने का आरोप

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 14 जून। ढाणी बच्चन सिंह से एक नागालिगा को बहला फुसलाकर भगाने के आरोप में ऐलनाबाद थाना पुलिस ने केस दर्जकिया है। पुलिस को दी शिकायत में परिजनों ने बताया कि बीती 12 जून की रात्रि को परिवार के लोग खाना खाकर सो गए। देर रात्रि को उनकी नाबालिग बेटी अचानक लापता हो गई। सुबह उन्हें घटना के बारे में पता चला। उन्होंने अपने स्तर पर तलाश की तो पता चला कि संजय नवासी डबवाली रोड, ढाणी बचन सिंह ऐलनाबाद उनकी बेटी को बहला फुसलाकर कहीं ले गया है। उन्होंने अपने स्तर पर दोनों की काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

खेत में बने कमरे से सामान चोरी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 14 जून। गांव दड़बाकलां निवासी एक किसान के खेतों में बने कमरे से चोर हजारों रुपए का सामान चोरी कर ले गए।
पुलिस को दी शिकायत में गांव मानकदिवान निवासी विनोद कुमार ने बताया कि उसने गांव दड़बाकलां निवासी विनोद बेनीवाल की जमीन ठेके परली हुई है। बीती 9 जून की शाम को वह खेतों से घर आ गया। देर रात्रि को चोरों ने खेतों में बने कमरे का ताला तोडकर दो स्प्रे पंप व दो फरार्टा पंखे चोरी कर लिए। सुबह जब वह खेतों में गया तो उसे घटना का पता चला। उसने अपने स्तर पर आसपास के लोगों से भी पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पूर्व पार्षद सुशील सैनी ने शिवपुरी निर्माण का मांगा हिसाब- हिसाब नहीं देने पर धरने की दी चेतावनी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 14 जून। पूर्व नगर पार्षद सुशील सैनी ने सिरसा शिवपुरी के निर्माण में खर्च की जा रही राशि का हिसाब सार्वजनिक करने की मांग की है।
पूर्व पार्षद सैनी ने आरोप लगाया कि शहर का एक भाजपाई नेता अपने सहयोगियों के साथ नगरपरिषद व शहरवासियों के सहयोग से बन रही शिवपुरी के निर्माण में गंभीर धांधली कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शहर से करोड़ों रुपए एकत्रित करने के बावजूद यहां कुछ काम नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि शहर का जो भाजपाई नेता चार साल पहले तक इसके जीर्णोद्धार का कार्य करने का दावा करता था, लेकिन आज तक शिवपुरी में बैठने की जगह तक नहीं है। मृतक के शव के साथ आने वाले परिजन इतना दुखी होते हैं कि उनकी तकलीफ का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। चार महीने में काम पूरा होने का विश्वास दिलाया गया था लेकिन चार साल में भी काम पूरा नहीं हो पाया। सुशील सैनी ने आरोप लगाया कि इसी भाजपा नेता ने अरोड़वंश सेवा सदन और अग्रवाल सेवा सदन का भी नारियल फोड़ा था लेकिन उनके काम भी अधर में लटके हुए हैं। पूर्व पार्षद सुशील सैनी ने उपायुक्त से मांग की कि नगरपरिषद से लिए गए 02 करोड़ 20 लाख रुपए की राशि की जांच करवाई जाए कि वह कहां खर्च की गई? उन्होंने तीन दिन का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि भाजपाई नेता शिवपुरी के नाम पर सरकारी व गैर सरकारी तौर पर एकत्रित की गई राशि का पाई पाई का हिसाब दे। उन्होंने कहा कि यदि भाजपाई नेता ने हिसाब नहीं दिया तो वे श्री सनातन धर्म सभा के कार्यकारी प्रधान नवीन केडिया, खैरपुर शिवपुरी और बाजेकां शिवपुरी के प्रधान अमीर चावला के साथ मिलकर धरने पर बैठेंगे और जब तक हिसाब नहीं दिया जाता तब तक धरना जारी रहेगा।

लॉर्ड शिवा कॉलेज की महक रही जिले में अव्वल

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 14 जून। पंडित भगवत दयाल शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेस की ओर से घोषित किए गए बीफामेर्सी द्वितीय सेमेस्टर के परीक्षा परिणामों में स्थानीय लॉर्ड शिवा कॉलेज ऑफ फामेर्सी की छात्रा महक ने जिले में प्रथम स्थान हासिल किया। उन्होंने 725 में से 622 अंक लेकर पूरे सिरसा जिले में प्रथम एवं तानिया कौर ने 725 में से 596 अंक लेकर पूरे सिरसा जिले में दूसरा स्थान हासिल किया।
संस्था के सचिव सोमप्रकाश एडवोकेट ने महक, तानिया कौर व उनके परिजनों को बधाई देते हुए इस उपलब्धि का श्रेय विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के कड़े परिश्रम को दिया। महानिदेशक देशकमल बिश्रोई ने कहा कि इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों के साथ-साथ प्राचार्य प्रो. जितेंद्र सिंह की कुशल प्रशासनिक क्षमता व प्राध्यापकों की कड़ी मेहनत को जाता है। संस्था के उपप्रधान लोकेश बिश्रोई ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी सभी विद्यार्थी इसी प्रकार यूनिवर्सिटी में स्थान हासिल करेंगे। प्राचार्य प्रो. जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस उपलब्धि का श्रेय सभी शिक्षकों को देना चाहिए क्योंकि उन्होंने प्रत्येक विद्यार्थी की अध्ययन संबंधी समस्याओं को विभिन्न तरीकों से सुलझाया। कॉलेज प्रवक्ता विष्णु शर्मा ने बताया कि कक्षा का कुल उत्तीर्ण विद्यार्थियों में लगभग 23 विद्यार्थी प्रथम डिविजन से उत्तीर्ण हुए हैं और इन परिणामों से पूर्व भी संस्थान के विद्यार्थी हरियाणा एवं सिरसा जिले में प्रथम, द्वितीय इत्यादि स्थान हासिल कर संस्थान का नाम रोशन करते रहे हैं। सह-प्राचार्य जगतार सिंह चौहान ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह विद्यार्थियों की लगन एवं स्टाफ की समपर्ण एवं सही शिक्षा पद्धति के कारण पुनः बढि?ा परिणाम आया है। इसके पश्चात सभी विद्यार्थियों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी प्रसन्नता जताई। इस अवसर पर डॉ. प्रीति, सुधांशु पांडे, डॉ. गौतम कुमार, गजल मेहता, शुभम सचदेवा, मनोज कुमार, दीक्षा रेहलन, आरती नरूला, दीक्षा कटारिया, जतिनप्रीत, भूपेंद्र, हरविंद्र कौर, शालू, अमनदीप, डिंपल, सुरेंद्र एवं अन्य स्टाफ सदस्यों ने एक-दूसरे को बधाई दी।

कृष्णा फौगाट बनी महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष

पार्टी के शीर्षस्थ पदाधिकारियों का जताया आभार, कहा, हाईकमान के भरोसे पर उतरूंगी खरा

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 14 जून। कांग्रेस नेत्री कृष्णा फौगाट को पार्टी हाईकमान ने सिरसा महिला कांग्रेस की अध्यक्ष नियुक्त किया है। अपनी नियुक्ति पर कृष्णा फौगाट ने शीर्ष नेतृत्व समेत पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री व सिरसा सांसद कुमारी सैलजा के साथ-साथ पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्का लांबा व महिला संगठन की प्रदेशाध्यक्ष सुधा भारद्वाज समेत पार्टी की तमाम वरिष्ठ लीडरशिप का आभार व्यक्त किया है।
कांग्रेस की महिला जिलाध्यक्ष कृष्णा फौगाट ने कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने जो भरोसा उन पर जताया है, वे उस विश्वास पर खरा उतरेंगी। वहीं सिरसा के अनेक गणमान्यजनों ने भी कृष्णा फौगाट को उनकी नियुक्ति पर बधाई देते हुए कहा कि

कांग्रेस हाईकमान ने एक काबिल महिला नेत्री को यह जिम्मेदारी देकर यह साबित कर दिया है कि कांग्रेस में काम करने वालों को तरजीह दी जाती है। उल्लेखनीय है कि कृष्णा फौगाट ने अपने राजनीतिक सफर में राजनीतिक संगठन और गैर राजनीतिक संगठनों में अहम भूमिका निभाई है।
1994 से आरंभ की अपनी राजनीतिक पारी:
कांग्रेस की महिला जिलाध्यक्ष कृष्णा फौगाट का राजनीतिक सफर वर्ष 1994 में हुआ जब वे सिरसा नगरपार्षद बनी। उसके बाद दूसरी बार वर्ष 2000 में नगर पार्षद बनकर सिरसा नगर परिषद की उपाध्यक्ष बनी। तीसरी बार फिर 2010 में सिरसा नगरपार्षद का चुनाव जीता और सिरसा के विभिन्न वार्डों से तीन चुनाव जीतकर अपनी राजनीतिक सूझबूझ का लोहा मनवाया। कृष्णा फौगाट ने इंडियन नेशनल लोकदल पार्टी में अपने लंबे राजनीतिक करियर में संगठन में विभिन्न पदों पर काम किया जिनमें मुख्य रूप से वर्ष 1997 में प्रदेश युवा सचिव के पद के साथ-साथ लगातार 18 सालों तक इनेलो महिला जिलाध्यक्ष के तौर पर पार्टी काम किया। वहीं इनेलो महिला प्रदेश उपाध्यक्ष का पद भी सुशोभित किया। कृष्णा फौगाट फिलहाल राजनीति के साथ-साथ शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के साथ भी जुडकर महिलाओं के उत्थान की दिशा में मजबूती से काम कर रही हैं।

एक देश, एक चुनाव' से लोकतंत्र होगा और अधिक सशक्त : सुभाष बराला

एक देश, एक चुनाव' विषय पर रतिया में जागरूकता सम्मेलन आयोजित

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर
रतिया 14 जून। शहीद उधम सिंह नर्सिंग कॉलेज, बरोटा में 'एक देश, एक चुनाव' विषय पर विशेष जागरूकता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। राज्यसभा सांसद ने छात्र-छात्राओं, शिक्षाविदों एवं आमजनों को संबोधित करते हुए इस विषय की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला।
राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि 'एक देश, एक चुनाव' केवल एक विचार नहीं, बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक सशक्त, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में

एक क्रांतिकारी पहल है। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने जिस दूरदर्शी सोच के साथ इस ऐतिहासिक विचार को सामने रखा है, वह आने वाले समय में देश को राजनीतिक स्थिरता, प्रशासनिक सुगमता और व्यापक आर्थिक बचत की दिशा में आगे बढ़ाएगा। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, ह्लआज का युवा जागरूक है, और वह देशहित में लिए जा रहे ऐसे निर्णयों को समझता है। एक साथ चुनाव होने से न केवल समय और संसाधनों की बचत होगी, बल्कि सरकारें अपने पूरे कार्यकाल में विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकेंगी।ह्व उन्होंने कहा कि इससे बार-बार की चुनावी प्रक्रिया से होने वाली बाधाएं भी कम होंगी।
कार्यक्रम में उपस्थित चेयरमैन वेद फुलां व सभी गणमान्य व्यक्तियों ने ह्यएक देश, एक चुनावह्न के महत्व पर अपने विचार रखे और इसे लोकतांत्रिक मजबूती के लिए आवश्यक कदम बताया। शिक्षाविदों, प्रबुद्ध नागरिकों और युवाओं ने एकमत होकर इस पहल का समर्थन किया और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की इस दूरदर्शी सोच की सराहना की। इस अवसर पर चेयरमैन वेद फुलां, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य, आसपास के कई गांवों के सरपंचगण, नर्सिंग कॉलेज के छात्र-छात्राएं एवं अध्यापकगण उपस्थित रहे।

भाविप सदस्य विनोद जैन ने अपनी स्वर्गीय पत्नी की याद में लगवाया वाटर कूलर

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर
रतिया 14 जून। भारत विकास परिषद शाखा रतिया ने आज मेन बाजार रतिया में एक वाटर कूलर लगवाया। यह वाटर कूलर परिषद परिवार सदस्य विनोद कुमार जैन के सहयोग से उनकी धर्मपत्नी स्वर्गीय सविता जैन की याद में लगवाया गया। परिषद के अध्यक्ष राजकुमार सिंगला ने विनोद कुमार जैन का दिल से आभार व्यक्त किया। भारत विकास परिषद शाखा रतिया के प्रैस सचिव प्रदीप बंसल ने बताया कि

परिषद के सदस्य मौसम के अनुसार ऐसे पुनीत कार्य करते रहते हैं। यह वाटर कूलर मेन बाजार रतिया में लोगों के लिए एक बड़ी राहत होगी।परिषद सदस्य विनोद जैन ने कहा कि हर व्यक्ति को किसी न किसी रूप में समाज सेवा करनी चाहिए। नर सेवा ही नारायण सेवा है। भारत विकास परिषद शाखा रतिया ने एक बार फिर से अपनी सेवा गतिविधि के माध्यम से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह किया है। हमें उम्मीद है कि यह वाटर कूलर मेन बाजार रतिया में लोगों के लिए एक बड़ी राहत होगी। इस अवसर पर परिषद के संरक्षक डॉ.नरेश गोयल,सचिव लोकेश खुराना,वित सचिव सौरभ गोयल,गतिविधि संयोजक सेवा जनक राज गोयल विनोद कुमार नीकू, गिरधारी लाल सिंगला, विपिन गोयल, सतीश खन्ना, डॉ चरनजीत मलिक,धर्मवीर ललित, मखन लाल,राजकुमार गर्ग, आदि अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

विदेशों से रिश्तेदार या जानकार बनकर साइबर ठग कर रहें हैं ठगी, रहे सावधानः एसपी आस्था मोदी

पैसे ट्रांसफर करने से पहले अच्छी तरह से कर लें जांच, टेक्नोलोजी के दौर में सावधानी ही एकमात्र उपाय

हरियाणा वाटिका/विकास कुमार
कैथल, 14 जून। आज के समय साइबर अपराध चरम पर हैं, साइबर अपराधियों द्वारा आए दिन नए-नए तरीकों से लोगों को ठगा जा रहा है। ऐसे में विदेशों से रिश्तेदार या जानकार बनकर साइबर अपराधियों द्वारा साइबर ठगी का एक नया तरीका अपनाया जा रहा है। इस बारे पूर्ण जानकारी देते हुए एसपी आस्था मोदी ने बताया कि आजकल बहुत से बच्चे विदेशों में पढ़ाई व काम के सिलसिले में गए हुए हैं। साइबर ठग इसी बात का फायदा उठाते हुए विदेशों से कॉल करते हैं और कहते हैं कि आपके रिश्तेदार या आपके बच्चे का झगड़ा हो गया है या एक्सीडेंट हो गया है या उसको किसी मामले में पुलिस ने पकड़ लिया है, जिसकी एवज में वह आपसे पैसो की डिमांड करता है

और कहता है कि समझौता वगेरा में पैसे देने पडेगें। ऐसी स्थिति में हम घबरा जाते है क्योंकि हमारा रिश्तेदार व बच्चा हमसे दूर होता है और हम अपने बच्चों के भविष्य को देखते हुए बिना सोचे समझे ही हडबडाहट में उनको पैसे भेज देते हैं और बाद में हमें पता चलता है कि हमारे साथ तो ठगी हुई है। इसके अलावा विदेश से कोई आपका रिश्तेदार बनकर आपको कॉल करता है और कहता है कि उसने आपके खाते में पैसे डाले हैं। वह पैसे आप से भारत में कोई एजेंट ले लेगा। साइबर ठग डाले हुए पैसों की नकली रसीद भी आपको व्हाट्सएप देता है। इसके अतिरिक्त साइबर ठग आपका संबंधी बनकर कहता है कि वह आपके खाते में पैसे डालेगा, जो आप से एक एजेंट लेकर जाएगा, इसके लिए वह आपको एक लिंक भेजेगा और उस पर क्लिक करने बारे कहेगा। आपके द्वारा उस लिंक पर क्लिक करते ही आपको खाता खाली हो जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने इस बारे में एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि इस तरह के ठगो से सावधान रहें। यदि इस तरह की कोई फोन कॉल आपके पास आती है तो बिना घबराए संयमता से काम ले और इस काल की पहले अच्छी तरह जांच कर ले। विदेश में बैठे अपने अन्य जानकार/रिश्तेदार से इस बारे बात करे। उसके बाद ही अगला कदम उठाए। एसपी ने कहा कि किसी अनजाने लिंक पर क्लिक बिल्कुल भी न करे और नाहि किसी अनजान के साथ ओटीपी या अन्य जरुरी डोकोमेटंस शेयर करे। हमें सावधान और सतर्कता से हम साइबर अपराधियों के चंगुल में आने से बच सकते हैं। उन्होने बताया कि इसके बावजूद भी हम साइबर क्राइम के शिकार होते हैं तो तुरंत भारत सरकार द्वारा जारी साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर काल करे।

विश्व के रक्तदाताओं को सम्मानित करने व धन्यवाद देने का दिनः डॉ. वेद बैनीवाल

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 14 जून। रक्तदान के क्षेत्र में प्रदेश में ख्यातिनाम शख्सियत डॉ. वेद बैनीवाल ने अंतरराष्ट्रीय रक्तदाता दिवस पर कहा कि रक्तदाता होना प्रत्येक के नसीब में नहीं होता, इसके लिए बहुत ऊंचे स्तर की निःस्वार्थ सेवा भावना होना जरूरी है।
डॉ. वेद बैनीवाल ने कहा कि रक्तदान केवल वही इंसान कर सकता है जो दिल और आत्मा की गहराई से पाकिजा हो। उन्होंने कहा कि रक्तदाताओं के लिहाज से सिरसा की पावन धरती बहुत अग्रणी है। उन्होंने कहा कि यदि सिरसा जिला को रक्तदाताओं का जिला कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। हरियाणा का सबसे पिछड़ा जिला होने के बावजूद रक्तदाताओं की संख्या यहां सबसे अधिक है और उसमें भी विशेष यह है कि रक्तदाता ग्रामीण क्षेत्र से अधिक हैं। अन्य जिलों की अपेक्षा सिरसा जिले में महिला रक्तदाताओं की संख्या भी अधिक है। उन्होंने कहा कि अक्षर ज्ञान चाहे कम हो परंतु सिरसावासी धर्मपरायणता व सेवाभाव के संस्कारों से लोग ओतप्रोत हैं। बतौर चिकित्सक डॉ. वेद बेनीवाल ने कहा कि जिला सिरसा में कोई ऐसा गांव नहीं है जहां रक्तदाताओं ने अपना शिविर लगाकर रक्तदान न किया हो। उन्होंने बताया कि बहुत से रोग ऐसे हैं जो केवल और केवल रक्तदाताओं के सहारे जी रहे हैं। थैलीसीमिया के बच्चे का जीवन रक्षक भी रक्तदाता ही होता है। इतना ही नहीं अपने किसी भी प्रियजन के जन्मदिन, पुण्यतिथि पर रक्तदाता ही अपना रक्तदान कर उन्हें अपनी प्रसन्नता अथवा उनके आशीर्वाद लेने का पात्र सिद्ध हो सकता है।
रक्तदाता के लिए भी होते हैं आवश्यक नियमः
डॉ. वेद बैनीवाल ने कहा कि रक्तदाता के लिए भी चिकित्सा क्षेत्र में कुछ आवश्यक नियम निर्धारित किए गए हैं जिनमें रक्तदाता 18 साल से पहले और 65 साल के बाद रक्तदान नहीं कर सकता। रक्तदाता का वजन 45 किलोग्राम से अधिक होना चाहिए और पहले रक्तदान के बाद दूसरा रक्तदान अगले 90 दिनों के बाद ही किया जा सकता है। रक्तदान करने से पूर्व रक्तदाता का हिमोग्लोबिन 12.5 से ज्यादा होना चाहिए।

भाजपा ओबीसी मोर्चा की बैठक संपन्न

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 14 जून। जिला भाजपा कार्यालय में ओबीसी मोर्चा की विशेष बैठक हुई। इसमें मुख्य अतिथि प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष मदन चौहान, जिलाध्यक्ष तेजिंदर सिंह खैहरा, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री देवेंद्र पांचाल, प्रदेश सचिव एवं जिला प्रभारी कर्मवीर सिंह मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष फूल सिंह पाल ने की। बैठक में मदन चौहान ने 17 जून को भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल, पंचकूला में होने वाली जातिगत जनगणना संगोष्ठी के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य टेकचंद चौहान, यतिन्द्र वर्मा, रमेश पाल, सुरेश सैनी, रणधीर कश्यप, जिला महामंत्री रामदत्त सैनी, तरुण धीमान, जिला उपाध्यक्ष देशराज कश्यप, जितेंद्र सिंह, सचिव रविंद्र कश्यप, जिला मीडिया प्रभारी अनिल धीमान आदि मौजूद रहे।

जुमलेबाज सरकार से जनता का हो रहा है मोहभंगः सैलजा

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 14 जून। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि जनता के बीच रहकर जनता की सेवा करनी है उनकी प्राथमिकता है क्योंकि भाजपा की इस जुमलेबाज सरकार से जनता का मोह भंग होता जा रहा है।
वे शनिवार को संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास धर्मशाला एवं प्रबंध कमेटी डबवाली की ओर से चौहान नगर डबवाली स्थित रविदास धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में बोल रही थी। इसके बाद सैलजा ने रिक्शा यूनियन डबवाली से बातचीत की। श्री गुरू रविदास धर्मशाला में सांसद ने सबसे पहले संत रविदास की प्रतिमा के समक्ष शीश नवाया। इस मौके पर संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास प्रबंधक कमेटी के प्रधान भारत नाहर और उनकी टीम की ओर से उनका स्वागत किया गया। लोगों ने अपनी अपनी समस्याएं उनकी समक्ष रखी तो कुछ संस्थाओं ने उन्हें मांग पत्र सौंपा। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास प्रबंधक कमेटी की ओर से भी एक ज्ञापन सौंपा गया। इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. के.वी. सिंह, वीरभान मेहता, प्रधान पवन गर्ग, इंद्र जैन, रणजीत सिंह पूर्व सरपंच सावंतखेड़ा, राकेश बब्बर, महेंद्र पाल सिंह, पूर्व पार्षद बबलू, रोहित मेहता बिज्जूवाली, शमिंद्र सिंह आदि मौजूद थे। कार्यक्रम में सैलजा ने कहा कि आज प्रदेश में भाजपा की सरकार है जबकि सरकार कांग्रेस की बनने जा रही थी, हमें इस बार और बेहतर काम करना है, आने वाले समय में कांग्रेस की ही सरकार बनेगी। कांग्रेस हर वर्ग के साथ है, हर वर्ग के लिए काम करती है। सिरसा लोकसभा क्षेत्र की जनता ने उन्हें सेवा का मौका दिया है, उन्हें सांसद कोटे के तहत जो पैसा मिलता है उसे सभी नौ विधानसभा क्षेत्र में खर्च करना है। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि डबवाली की जनता सदैव उनके साथ खड़ी रही है। मंच संचालन डॉ. के.वी. सिंह ने किया।

स्वेच्छिक रक्तदान शिविर में 60 ने किया रक्तदान

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 14 जून। जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा शनिवार को विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में गांव गंगा में अखिल भारतीय जीव-रक्षा बिश्नोई सभा के सहयोग से स्वेच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया।
कार्यक्रम में हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन के सदस्य सुभाष रोलण ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की।
मुख्यातिथि सुभाष रोलण ने रक्तदाताओं से कहा कि रक्तदान एक महान सेवा है और प्रत्येक युवा को आपातकालीन स्थितियों में रक्तदान के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि भूकंप, बाढ़, सडक और रेल दुर्घटनाओं जैसे आपातकालीन समय में रक्त की उपलब्धता जीवन बचा सकती है। इस दौरान उन्होंने गांव गंगा स्थित श्री गौशाला में पौधारोपण भी किया। उन्होंने कहा कि विश्व रक्तदाता दिवस केवल रक्तदान करने का दिन नहीं है, बल्कि उन स्वेच्छिक रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करने का भी दिन है, जो निःस्वार्थ भाव से बिना किसी स्वार्थ के रक्तदान करते हैं। इस वर्ष की थीम गिव ब्लड, गिव होपःटूगेदर वी सेव लाइफ को सार्थक बनाते हुए जिला रेडक्रॉस सोसायटी ने इस शिविर का आयोजन कर युवाओं को प्रेरित किया। जिला रेडक्रॉस सोसायटी सिरसा के सचिव लाल बहादुर बैनीवाल ने बताया कि रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 5 सामाजिक संस्थाओं और 6 स्टार ब्लड डोनर्स को सम्मानित किया गया। शिविर में 60 लोगों ने स्वेच्छिक रक्तदान किया। सामान्य अस्पताल सिरसा के रक्तबैंक की टीम जिसमें लैब टेक्नीशियन ओमप्रकाश सैनी, सुभाष, रमन, काउंसलर बसंत सैनी सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

रक्तदान के लिए डेरा सच्चा सौदा हुआ सम्मानित

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 14 जून। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा शनिवार को विश्वभर में डेरा सच्चा सौदा द्वारा किए किए जा रहे स्वेच्छिक रक्तदान के लिए डेरा सच्चा सौदा को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के सदस्य सुभाष चंद्र व रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव लाल बहादुर बैनीवाल व अन्य लोगों ने डेरा सच्चा सौदा के हरियाणा 85 मेंबर विनोद कुमार इंसां, सहदेव इंसां, सुरेश इंसां को स्मृति चिह्न व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से डेरा सच्चा सौदा के अलावा रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पब्लिक रिलेशन हेल्प फाउंडेशन, संत निरकारी मिशन के सदस्यों, अखिल भारतीय जीव-रक्षा बिश्नोई सभा, विभिन्न यूथ क्लब के सदस्यों व सर्वाधिक बार रक्तदान करने वाले रक्तदानियों को सम्मान का प्रतीक साफा पहनाकर सम्मानित किया गया। वहीं विश्व रक्तदाता दिवस पर आयोजन स्थल पर भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा सिरसा द्वारा अखिल भारतीय जीव-रक्षा बिश्नोई सभा गांव गंगा के सहयोग से एक स्वेच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें नागरिक अस्पताल सिरसा से ब्लड सेंटर की टीम की ओर से रक्त एकत्रित किया गया। रक्तदान शिविर में रक्तदान करने वालों में भी सर्वाधिक संख्या डेरा सच्चा सौदा के अनुयायियों की रही।

नाबालिग से दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी काबू

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 14 जून। ऐलनाबाद थाना क्षेत्र में स्थित एक गांव में नाबालिग लडकी से दुष्कर्म करने के मामलें में आरोपी को सिरसा महिला थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

सिरसा महिला थाना प्रभारी ने बताया कि ऐलनाबाद थाना क्षेत्र में स्थित एक गांव के युवक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती 7 जून 2025 की रात्रि को कोई अज्ञात युवक उसकी नाबालिग बहन को बहला-फुसला कर भगाकर ले गया है। पीड़ित युवक की शिकायत पर अज्ञात युवक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं व 6 पोक्सो एक्ट के तहत थाना ऐलनाबाद में मामला दर्ज आगामी कार्रवाई हेतू जांच सिरसा महिला थाना को सौंपी गई थी। जांच के दौरान महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी शिशपाल पुत्र राजी राम को काबू कर लिया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में सिरसा जेल भेजा जाएगा।

डीएलएसए द्वारा जेल में वृद्धजन कैदियों के लिए जागरूकता शिविर का किया आयोजन

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 14 जून। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में प्राधिकरण द्वारा विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस पर विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि इस शिविर में पैनल अधिवक्ता हरपाल सिंह द्वारा जिला जेल में कैदी वृद्धजनों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक किया गया। उन्हें वेलफेयर योजनाओं की जानकारी दी गई और उन्हें डीएलएसए द्वारा दी जाने वाली मुफ्त कानूनी सहायता के बारे में विस्तार से बताया गया।

तेजिंदर पाल सिंह संधू बने जिला फतेहाबाद क्रिकेट की सीनियर टीम के सह कोच

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया 14 जून। जिला फतेहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव नरेश कुलड़िया ने बताया कि तेजिंदर पाल सिंह को सीनियर टीम का सह कोच की जिम्मेदारी सौंप गई हैं वे कोच मनदीप सिंह के साथ मिलकर टीम को अच्छा प्रदर्शन करने में सहायता करेंगे, जो की 17 जून से शुरू होने जा रहे हैं बता दें तेजिन्द्र ज सिंह संधू अपने समय के अच्छे बल्लेबाज रह चुके हैं तेज संधू 2004 में इंटर कॉलेज व 2005 में इंटर यूनिवर्सिटी की टीम में भी खेल चुके हैं सचिव नरेश कुलड़िया ने बताया कि वह फतेहाबाद क्रिकेट को और बेहतर करने के लिए दिन प्रतिदिन प्रयास करते रहेंगे तथा युवा खिलाड़ियों को उनका मार्गदर्शन मिलता रहेगा

विश्व रक्तदाता दिवस मौके जीवन रक्षक सम्मान से सेठी हुए सम्मानित

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया 14 जून। विश्व रक्तदाता दिवस मौके रक्तदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाएं हेतू आज फतेहाबाद जिले के समाजिक कार्यकर्ता हैप्पी सिंह सेठी को जीवन रक्षक सम्मान 2025 द्वारा दी इंस्पायर इंडिया एनजीओ द्वारा हिसार में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान सम्मानित किया गया। वहीं इस बारे जानकारी देते हुए समाजिक कार्यकर्ता हैप्पी सिंह सेठी ने बताया समय-समय पर जिले में आयोजित रक्तदान कैंप में एक डोनर के रूप में रक्तदान करने का जहां मौका मिलता है वहीं मोटिवेटर के रूप में दूसरे रक्तदाताओं को रक्त के लिए प्रेरित करने का मौका मिलता है और जिसके चलते आज विश्व रक्तदाता दिवस मौके दी इंस्पायर इंडिया संस्था द्वारा विभिन्न जिलों से आए सर्वाधिक रक्तदान करने वाले रक्तदानियों का जीवन रक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया।

हत्या के आरोपी को एक घंटे में किया काबू झ सदर रतिया पुलिस की तत्पर कार्रवाई

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया 14 जून। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशानुसार चलाए जा रहे अपराध मुक्त अभियान के तहत थाना सदर रतिया पुलिस ने तत्परता का परिचय देते हुए गांव लाम्बा में हुई हत्या के एक मामले में मात्र एक घंटे के भीतर एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। दिनांक 13 व 14 जून की रात को थाना सदर रतिया क्षेत्र के गांव लाम्बा में आपसी रंजिश के चलते पड़ोसी विनोद कुमार पर धारदार हथियार (छूरी) से हमला कर उसकी हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना सदर रतिया पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया तथा मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम हेतु भेजा।

एचएसजीएमसी नहीं करेगी किसी भी तरह का नाजायज खर्च : प्रधान

पिछले 3 महीनों में कमेटी ने करवाई 25 करोड़ की एफडी

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 14 जून। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी में किसी भी तरह का नाजायज खर्च नहीं होने दिया जाएगा। संस्था द्वारा किए जाने वाले हर खर्च पर पहले गंभीरता से मंथन होगा, फिर उसे मंजूरी दी जाएगी। यह दावा हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी के प्रधान ज. जगदीश सिंह झींडा ने हैड ऑफिस में पत्रकारों से समक्ष किया। चुनाव के बाद सेवा संभालने वाली हरियाणा कमेटी के पहले आम बजट पर हर बिंदू पर विचार-विमर्श होगा। अगर किसी भी प्रकार का कोई नाजायज खर्च कहीं नजर आया, तो उसे बजट से बाहर कर दिया जाएगा। इस मौके पर उनके साथ कमेटी के संयुक्त सचिव बलविंदर सिंह भिंडर, कार्यकारिणी समिति मैंबर कुलदीप सिंह मुल्तानी, इंदरजीत सिंह, करनैल सिंह निम्नाबाद, मैंबर गुरनाम सिंह लाडी, बलदेव सिंह हाबड़ी, मेजर सिंह, भूपिंदर सिंह लाडी, जोगा सिंह व एडिशनल सैक्रेटरी एवं कार्यालय सचिव सतपाल सिंह डाचर भी मौजूद रहे।

प्रधान ने बताया कि 25 जून को ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब में आम बजट की बैठक होगी, जिसमें संस्था के सभी 49 मैंबर शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि आम बजट पर पूरी बहस होगी।

कमेटी के अधीन खाली भूमि पर बाग लगाए जाएंगें। चुनाव के उपरांत पिछले तीन महीनों में संस्था द्वारा करवाई गई 25 करोड की एफडी का जिक्र भी प्रधान ने किया। उन्होंने कहा कि वीआईपी कल्चर एवं बेवजह होने वाले खर्च पर अंकुश लगाकर ऐसा संभव हो गया, जिसमें संगत ने भी हरियाणा कमेटी का पूरा सहयोग किया है। उन्होंने गुरु हरगोबिंद साहिब जी महाराज के इस साल मनाए गए प्रकाश पर्व समागम में 03 लाख 29 हजार 668 रुपये की बढ़ोत्तरी होने पर भी संगत का शुभकामनाएं देते आभार जताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुरु घर की गोलक का प्रयोग धर्म प्रचार, शिक्षा क्षेत्र, स्वास्थ्य क्षेत्र, सामाज सेवा में होगा। इससे पहले उन्होंने अहमदाबाद में हुए हवाई जहाज में अकाल मृत्यु के शिकार हुए लोगों की आत्मिक शांति के लिए भी गुरु साहिब के चरणों में अरदास की।

श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज के पवित्र स्वरूप के लिए एसजीपीसी एवं दिल्ली कमेटी को लिखा पत्र :

प्रधान ने बताया कि कमेटी के अधीन चल रहे श्री गुरु ग्रंथ साहिब भवन शाहपुर अंबाला में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज के पवित्र स्वरूप का प्रकाशन न होने की वजह से उन्हें निशुल्क देने के लिए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी श्री अमृतसर एवं दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को एक पत्र लिखा गया है। दोनों संस्थाओं को 500-500 श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज के पवित्र स्वरूप एवं 21-21 हजार (16-16 हजार पंजाबी भाषा एवं 5-5 हजार हिंदी भाषा में) गुटका साहिब निशुल्क देने के लिए पत्र लिखे गए हैं।

पंथक विचार एवं तालमेल बनाने का एसजीपीसी को दिया न्यौता :

जत्थेदार जगदीश सिंह झींडा ने कहा कि एचएसजीएमसी ने पंथक विचार एवं तालमेल बनाने का एसजीपीसी को न्यौता दिया है। इसके लिए बकायदा कमेटी की ओर से शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी श्री अमृतसर के प्रधान हरजिंदर सिंह धामी एडवोकेट को पत्र लिखा गया है। उन्होंने कहा कि यह तालमेल पंथक विचारों, धर्म प्रचार एवं हरियाणा प्रदेश में एसजीपीसी के नाम बोल रही चल-अचल संपत्ति को हरियाणा कमेटी के नाम करवाने के लिए जरुरी है। झींडा ने स्पष्ट किया कि जायदाद के मसले पर जरुरी नहीं कि कानून का दरवाजा खटखटाया जाए, इसे आपसी सहमति से भी सुलझाया जा सकता है।

विद्यार्थियों पर लाठीचार्ज के विरोध में भिवानी में सडकों पर उतरी एनएसयूआई

एनएसयूआई ने सीबीएलयू के समक्ष नारेबाजी कर फूंका प्रदेश सरकार व एचएयू के वीसी का पुतला

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 14 जून। चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में रोष का माहौल है तथा रोजाना विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग प्रदर्शन कर लाठीचार्ज के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे है। इसी कड़ी में शनिवार को एनएसयूआई के पदाधिकारियों ने जिला अध्यक्ष मनजीत लांग्यान के नेतृत्व में स्थानीय चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय के द्वार के समक्ष नारेबाजी करते हुए प्रदेश सरकार व एचएयू के कुलपति का पुतला फूंक रोष जताया। इस दौरान एनएसयूआई ने विश्वविद्यालय प्रशासन और सरकार पर छात्रों की आवाज को दबाने का आरोप लगाया।

इस मौके पर एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष मनजीत लांग्यान ने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें उठा रहे छात्रों पर लाठीचार्ज करना बेहद शर्मनाक और अलोकतांत्रिक कृत्य है। उन्होंने कहा कि छात्रों पर लाठीचार्ज करने वाले विश्वविद्यालय प्रशासन को बचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लाठीचार्ज के मामले में एचएयू के रजिस्ट्रार सहित 8 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। लेकिन अभी तक भी उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई है। लांग्यान ने कहा कि छात्रों की आवाज को दबाना किसी भी लोकतंत्र में स्वीकार्य नहीं है।

एनएसयूआई जिला अध्यक्ष मनजीत लांग्यान ने कहा कि प्रदेश भर में वर्तमान सरकार छात्रों को मानसिक और शारीरिक चोट देने का काम कर रही है। छात्रों पर लाठी चार्ज कर एचएयू प्रशासन ने अपनी ओछी मानसिकता का परिचय दिया है, जो कि सीधे तौर पर सरकार के इशारे पर काम कर रही है। एनएसयूआई ने मांग की कि लाठीचार्ज के दोषी अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों को तुरंत निलंबित कर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द ही कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को प्रदेशव्यापी रूप दिया जाएगा। इस अवसर पर रोहित शर्मा, तरुण सरोहा, अमन दहिया, संजय, मोहित राजपूत, विनय, विजय सहित अन्य छात्र नेता मौजूद रहे।

कांग्रेस जन जागरण अभियान शुरू कर सरकार की खोलेगी पोल : सतनाम सिंह

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 14 जून। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सतनाम सिंह विर्क ने कहा कि भाजपा सरकार ने सभी लोगों को पोर्टल के फेर में उलझा कर रख दिया है। लगभग 200 से अधिक सेवाएं पोर्टल बंद होने की वजह से निष्क्रिय पड़ी हुई हैं, जिसका खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ रहा है। ग्रामीण दौरे के दौरान लोगों से मिलते हुए सतनाम सिंह विर्क ने कहा कि सरकार की ओर से फरमान जारी किया गया था कि 10 साल पुराने आधार कार्ड को अपडेट करवाया जाए। मगर आधार कार्ड अपडेट करवाने के लिए इतनी अधिक फॉर्मेलिटी कर दी गई है कि आम आदमी इनका सामना ही नहीं कर पाता। बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र के साथ भी फैमिली आईडी और अन्य कई तरह के दस्तावेज मांग कर लोगों को तंग किया जा रहा है। इसी तरह नई बुढ़ापा, विधवा, दिव्यांग पेंशन को लेकर भी पोर्टल के फेर में लोग उलझे हुए हैं। यदि दलालों के जरिए काम करवाया जाए, तो पैसे देकर सारी बाधाएं दूर हो जाती हैं। इसे साफ पता चलता है कि भ्रष्टाचार और अफसरशाही किस कदर सरकार पर हावी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बिजली सप्लाई और सड़कों का बुरा हाल है। रात के समय बिजली के लंबे कट लगते हैं, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गुरु नानक कॉलोनी पिहोवा में पिछले दो दिन से रात को बिजली सप्लाई नहीं आ रही। यही हाल ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों का है। ठेकेदार अपने राजनीतिक संबंधों का लाभ लेते हुए टेंडर ले लेते हैं, जिसके बाद काम शुरू नहीं किया जाता। उन्होंने कहा कि इन सभी समस्याओं को लेकर कांग्रेस जल्द ही जन जागरण अभियान शुरू करेगी और लोगों के बीच जाकर सरकार की पोल खोलेगी।

जी डी ज्योति कान्वेंट स्कूल के विद्यार्थी समय का कर रहे सद्प्रयोग

अध्यापक ऑनलाइन कर रहे बच्चो को प्रेरित

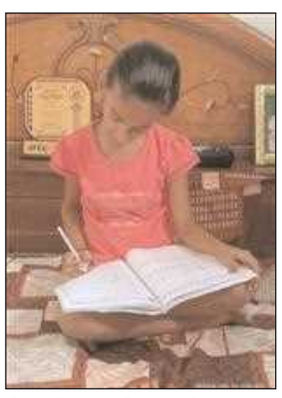

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया 14 जून। जी डी ज्योति कान्वेंट स्कूल रतिया के विद्यार्थी गर्मी की छुटियो का पूरा सद्प्रयोग कर रहे है स्कूल से मिला हुआ गृहकार्य बड़े शांत मन से कर रहे है जानकारी देते हुए स्कूल डॉयरेक्टर राकेश ललित ने बताया कि स्कूल से मिला गृहकार्य विद्यार्थी शांत मन से कर रहे है सभी विधार्थई स्कूल से मिले निर्देश अनुसार से ही कार्य कर रहे है स्कूल की कोडिनेटर अनिता मेहता ने बताया कि छुटियो से पहले विद्यार्थी को निर्देश दिए गए थे कि वह स्कूल द्वारा मिला कार्य थोड़ा थोड़ा करके ही करे एक साथ या 2-4 दिन में ही पूरा कार्य न करे,लिखाई साफ व सुंदर होनी चाहिए इसके अतिरिक्त बच्चो को यह भी निर्देश दिए गए थे कि वह अधिक गर्मी में बिना कारण व बिना माता-पिता की अनुमति से घर से बाहर न निकले, किसी अनजान व्यक्ति को घर पर न आने देवे,बिजली के उपकरणों से दूर रहे,घर रह कर अपने माता-पिता के कार्य मे हाथ बटाऐ था सोशल सेइट से दूरी बना कर रखे।

उन्होंने बताया कि स्कूल के सभी कक्षा इंचार्ज बच्चो को प्रतिदिन फोन करके शिक्षा के प्रति जागरूक व प्रेरित करने का कार्य भी कर रहे है प्रतिदिन अध्यापक बच्चो को मोटिवेशनल कहानियां भेजकर उनके अधिकार व कर्तव्य के बारे भी विस्तार से ज्ञान दे रहे है स्कूल कोडिनेत्तर ने बताया कि बच्चो को पढ़ाई के साथ साथ कुछ समय खेलना भी चाहिए ताकि उनके शरीर का विकास भी निरंतर होना आवश्यक है शुद्ध व घर के खाने को विद्यार्थी अधिक महत्व देवे इस बात पर भी बल दिया गया है कि वह घर रह कर अपने बड़े बजुर्गो व अन्य बड़े सदस्यों से अपनी संस्कृति व इतिहास के बारे में जानकारी हासिल कर अपना ज्ञान बढ़ाए।

देविवि में हुआ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 14 जून। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा के बहुउद्देशीय हॉल में शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन आयुष विभाग, हरियाणा योग आयोग और हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट के संयुक्त सहयोग से हुआ, जो योग के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर विजय कुमार ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन और वैदिक मंत्रों के उच्चारण से हुआ जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो गया। प्रोफेसर विजय कुमार ने अपने संबोधन में योग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह मन, शरीर और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करने की एक प्राचीन भारतीय परंपरा है। उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों से दैनिक जीवन में योग को अपनाने का आह्वान किया ताकि वे स्वस्थ और तनावमुक्त जीवन जी सकें। उन्होंने कहा कि योग जीवन जीने की एक कला है, जो मन, शरीर और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को योग और ध्यान को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए, जिससे वे मानसिक रूप से स्वस्थ रहकर अपने लक्ष्यों की प्राप्ति कर सकें।

इस अवसर पर कुलसचिव प्रोफेसर अशोक कुमार ने भी प्रतिभागियों से कहा कि योग को जीवन का अभिन्न अंग बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नियमित योग अभ्यास से न केवल शारीरिक बीमारियां दूर होती हैं, बल्कि मानसिक शांति और आत्मिक संतुष्टि भी प्राप्त होती है। वहीं, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रोफेसर राजकुमार ने अपने संबोधन में युवाओं के जीवन में योग की प्रासंगिकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आज के तनावपूर्ण माहौल में योग युवाओं को सही दिशा दिखाने और उन्हें सकारात्मक ऊर्जा से भरने में सहायक है। कार्यक्रम में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सुभाष ने भी छात्रों को संबोधित किया और उन्हें योग के माध्यम से शारीरिक व मानसिक रूप से सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है, और योग इस लक्ष्य को प्राप्त करने का सबसे उत्तम साधन है। कार्यक्रम का संचालन निष्ठा पाठक और पूजा ढिल्लों ने कुशलतापूर्वक किया। हार्टफुलनेस के जिला समन्वयक अशोक सिंगला ने सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों, प्रतिभागियों, आयोजकों और सहयोगी संगठनों का कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद किया। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ के साथ हुआ। कार्यक्रम में जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. राजकुमार और आयुष योग प्रशिक्षक डॉ. सुरेंद्र नागर ने विशेष योगदान दिया। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में प्रोफेसर सुरेंद्र कुंडू, जेसीडी के महानिदेशक डॉ. जयप्रकाश हुड्डा, डॉ. रविंद्र ढिल्लों, डॉ. लवलीन, डॉ. जगन्नाथ, एक्सईएन राकेश गोदारा, डॉ. संजू गोदारा, केशव शारदा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारी एवं विद्यार्थी शामिल रहे।

दो पक्षों में हुई रक्तरंजित भिड़ंत, लाठी, डंडों के बीच युवक की गोली लगने से मौत

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 14 जून। गांव भावदीन में शुक्रवार रात्रि को रंजिश के चलते दो पक्ष आपस में टकरा गए। रक्तरंजित मामले में पहले दोनों पक्षों में लाठी-डंडे चले। इसके बाद एक पक्ष की ओर से फायरिंग की गई, जिसमें एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही डिंग थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेकर शव को अस्पताल में पहुंचाया। मृतक की पहचान गांव शहीदांवाली निवासी बिशंबर के रूप में हुई है, जबकि घायलों में गांव भावदीन निवासी रवि व बलकार शामिल हैं।

घटनानुसार मृतक रवि के परिवार से दूसरे पक्ष ने कुछ दिन पूर्व इंटर लॉकिंग टाइल खरीदी थी। टाइल को घटिया किस्म की बताकर दूसरे पक्ष ने रवि के परिवार के साथ झगड़ा किया था और दोनों ही पक्षों ने एक-दूसरे को देख लेने की धमकी दी थी। बीते शुक्रवार की रात्रि को मृतक बिशंबर, जोकि रवि का रिश्तेदार था, रवि व बलकार के साथ खेत में ट्यूबवैल पर बैठे थे। इसी दौरान दूसरे पक्ष के दर्जनों लोग लाठी डंडे लेकर आ गए। दोनों पक्षों में काफी देर तक हाथापाई हुई। इसके बाद दूसरे पक्ष के एक युवक ने फायरिंग कर दी, जिसमें से एक गोली बिशंबर को लग गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं मारपीट में रवि व बलकार को भी काफी चोटें आई। बलकार सिरसा के नागरिक अस्पताल में उपचाराधीन है, वहीं रवि को गंभीर चोटों के चलते निजी अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों के बयानों के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में पहुंचाया। फिलहाल पुलिस मामले की बारीकी से जांच कर रही है, ताकि विवाद की असल वजह का पता लगाया जा सके।

दो युवतियां संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 14 जून। गांव बनसुधार व पतली डाबर से दो युवतियां संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई।

पुलिस को दी शिकायत में पहले मामले में परिजनों ने बताया कि उनकी बेटी सुबह किसी काम से घर से गई थी, लेकिन उसके बाद से वापस नहीं लौटी। दूसरे मामले में गांव पतली डाबर निवासी युवती के परिजनों ने बताया कि बीती 13 जून की सुबह उनकी बेटी घर से किसी काम से निकली थी, लेकिन उसके बाद से वापस नहीं लौटी। उन्होंने अपने स्तर पर आस पड़ोस व रिश्तेदारी में काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

शरीरदान कर महादानी बन गए हरिंद्र इन्सां

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 14 जून। डेरा सच्चा सौदा के अनुयायी पिपली निवासी हरिंद्र इन्सां मर कर भी अमर हो गए हैं। अब 48 वर्षीय हरिंद्र कुमार इन्सां का नाम शरीरदानियों में गिना जाएगा। बता दें कि हरिंद्र कुमार इन्सां का शुक्रवार को देहांत हो गया था। उन्होने जीते जी ही शरीरदान करने का फार्म डेरा सच्चा सौदा मे भरा हुआ था। उनकी इच्छा अनुसार हरिंद्र इन्सां के शरीर का दान परिजनों द्वारा किया गया। उनके शरीर को एनसी मेडिकल कॉलेज इसराना पानीपत में भेजा गया है, ताकि मेडिकल के विद्यार्थी उनके शरीर पर शोध कर सकें। शुक्रवार देर सायं जैसे ही उनकी देह को दान के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा जा रहा था, तो मौजूद लोगों ने नम आंखों से उन्हे विदाई दी व शरीरदानी हरिंद्र इन्सां अमर रहे के नारों से आसमान गुंजायमान हो गया। शरीरदानी हरिंद्र इन्सां के जीजा अशोक माटा ने बताया कि शुक्रवार को हरिंद्र की मृत्यु हो गई। उन्होने जीते जी शरीरदान का फार्म भरा हुआ था। ऐसे मे उनकी इच्छा के अनुसार उनके शरीर का दान किया गया है। वे करियाणा की दुकान चला कर अपना जीवन यापन कर रहे थे। पारिवारिक सदस्य सौरभ माटा, बिमला देवी व सिमरन समेत अन्य लोगों ने हरिंद्र इन्सां को अंतिम विदाई दी।

संपादक की कलम से

मुट्ठी' में शीतलपेय

एक खामोशी है, जबकि शीतल पेय बाजार तो झाग में, सनसनी में ही ज्यादा भरोसा करता है। उसके बिना न तो चार पैसे की चीज पंद्रह और बीस रुपए में बेची जा सकती है, न एक गैर-जरूरी और एक हद तक नुकसानदेह पेय को हम-आप शान से पी सकते हैं। इसी के सहारे दो बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां हजारों करोड़ का कारोबार कर चुकी हैं और सारे देसी ब्रांड लगभग समाप्त कर चुकी हैं।

जून में कायदे से गर्मी की, लू की, लू से मरने वालों की और गर्मी की बीमारियों की चर्चा होनी चाहिए, एसी-कूलर की बिक्री की चर्चा होनी चाहिए, पर हो रही है आंधी-तूफान-बारिश और जल-जमाव की। इससे भी कम चर्चा है, गर्मी में सर्दी के नाम पर आग लगाने वाली कोल्ड-ड्रिंक कंपनियों की लड़ाई की। गर्मी के साथ 'इंडियन प्रीमियर लीग' (आईपीएल) का सीजन भी बीत गया और जिस क्रिकेट और 'आईपीएल' को बहाना बनाकर पेप्सी और कोक महाभारत सी जंग लड़ा करते थे, उस ट्राफी का प्रायोजक बनने की लड़ाई लड़ते थे, वह न होने पर एक आभासी युद्ध लड़ते थे, विपणन और विज्ञापन जगत अपनी प्रतिभा को इस सीजन के लिए बचाकर रखता था, वह सब इस सीजन में कहीं नहीं दिख रहा।

एक खामोशी है, जबकि शीतल पेय बाजार तो झाग में, सनसनी में ही ज्यादा भरोसा करता है। उसके बिना न तो चार पैसे की चीज पंद्रह और बीस रुपए में बेची जा सकती है, न एक गैर-जरूरी और एक हद तक नुकसानदेह पेय को हम-आप शान से पी सकते हैं। इसी के सहारे दो बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां हजारों करोड़ का कारोबार कर चुकी हैं और सारे देसी ब्रांड लगभग समाप्त कर चुकी हैं। शीतल-पेय गांव-देहात में भी मिलता है, फैशन की चीज बन गया है, पर इस बार की शांति एक और कारण से ज्यादा चुभने वाली है।

इस बार शीतल-पेय बाजार में एक नया खिलाड़ी उतरा है जिसने दमदार दखल दी है। बाजार में आने के साथ ही उसने एक बड़े हिस्से पर कब्जा किया है, स्थापित ब्रांडों को झकझोरा है, वितरकों को निहाल कर दिया है। ग्राहक भी पुरानी कीमत में पेय की मात्रा लगभग दोगुनी पाकर खुश हैं और लग रहा है कि देश का शीतल पेय बाजार बदलने जा रहा है। दशकों पहले मर से गए एक ब्रांड, 'कैम्पा कोला' को 'पार्ले ड्रिंक्स' वाले चौहान से मामूली कीमत पर खरीदकर मुकेश अंबानी और 'रिलायंस' ने एक नए कारोबार में पैर बढ़ाए हैं और वहां के सारे समीकरण बदल दिए है। प्रतिद्वंद्वी ब्रांडों ने कीमत कम की है, मात्रा बढ़ाने की कोशिश भी हो रही है, लेकिन ग्राहक और नीचे तक के वितरक दूसरे ब्रांड से पट जाएं तो काम आसान नहीं रहता। 'पेप्सी' और 'कोक' की तरफ से अभी जवाबी हमला नहीं हुआ है, लेकिन बाजार तो बदलता दिखता है। जानकार मानते हैं कि 'कैम्पा' का शेयर दहाई में आ चुका है।

जिस 'आईपीएल' के प्रसारण में 'कोक' और 'पेप्सी' तथा भारत में बिकने वाले उनके सबसे लोकप्रिय ब्रांड 'थम्सअप' के नए-नए विज्ञापनों की बाढ़ रहती थी, एक-दूसरे को 'गुलाब जामुन' और घटिया स्वाद वाला बताया जाता था, जिस लाल को अपना और नीले को दुश्मन बताया जाता था, वैसा इस बार कुछ नहीं है। दक्षिण के एक हीरो का बहुत औसत किस्म का विज्ञापन ही बार-बार दोहराया जा रहा था और सूचना दे रहा था कि 'कोक-पेप्सी' दौर के पहले जिस 'कैम्पा' का जलवा था, वह वापस लौट आया है। 'पेप्सी' ने 'पार्ले ड्रिंक्स' से काफी कुछ खरीदा था, लेकिन इन ब्रांडों को मरने के लिए छोड़ दिया था।

पुराने मालिक 'बिसलेरी' में ऐसे लग गए कि इन ब्रांडों को सचमुच भूल गए। उनको 'कोक-पेप्सी' की लड़ाई में गुंजाइश नहीं लगी। अब 'रिलायंस' ने नए क्षेत्र में उतरने के फैसले के साथ इस पुराने ब्रांड पर दांव लगाया है। जानकार मानते हैं कि 'रिलायंस' बड़े स्तर के व्यापार, ग्राहक और वितरक को ज्यादा-से-ज्यादा लाभ देने की रणनीति से धमका रहा है। सांसदों और सरकार के सहारे कायदे-कानून बदलवाना, बाजार और विज्ञापन जगत में मारकाट की 'पेप्सी' और 'कोक' वाली रणनीति उसने नहीं अपनाई है।

अपने पांव जमाने के लिए सरकार पर दबाव बनाने तथा बड़ी संख्या में सांसद जुटाकर अपना कानून बनवाने वाली 'पेप्सी' के लिए यह भी कहा जाता है कि उसने एक आयात के बदले तीन निर्यात वाला प्रलोभनकारी दांव भी धोखे वाला खेल किया और जाने किस प्रभाव में समाजवादी कहलाने वाले मंत्री शरद यादव ने उस करार पर दस्तखत कर दिए। उस करार में यह नहीं लिखा था कि-शीतलपेय का 'कन्सट्रेट' जितनी मात्रा में आयात होगा, निर्यात भी शीतलपेय का ही होगा। हमने देखा कि 'पेप्सी' ने किस तरह छोटे निर्यातकों को थोड़े ज्यादा पैसे देकर उनके बासमती, चाय, झींगा, मसाले और इसी तरह की चीजों की खेप पर अपना मोहरा लगाकर, अपने निर्यात का कोटा पूरा किया।

उसने एक पैसे का भी शीतलपेय निर्यात नहीं किया।कानून बदलते ही 'कोक' भी पधार गया तथा स्वदेशी की ठेकेदारी करने वाले रमेश चौहान ने एक मोटा पैसा लिया और ज्यादातर धंधों से हाथ खींच लिया। उसके बाद काफी कुछ हुआ, लेकिन एक अजीब बात हुई कि 'थम्सअप' ही बाजार-लीडर बना रहा। यह एक अर्थ में शीतलपेय बाजार में देसी स्वाद के बने रहने का प्रमाण था। संभव है मुकेश अंबानी और उनकी टोली को यह चीज 'कैम्पा' के तीनों ब्रांड उतारने की बड़ी वजह लगी हो, पर उनसे भी पहले यह बात 'पेप्सी' जैसी कंपनी को समझ आ गई थी-लस्सी, नींबू पानी और सत्तू का शरबत पीने वालों से भी खतरा देखकर उसने पहले साल से ही आलू, टमाटर, कीनू, अमरूद, अन्नानास वगैरह की खेती और स्नैक्स के कारोबार में हाथ लगाया। नमकीन, भुजिया और चिप्स का धंधा भी जोर-शोर से शुरू किया।

जून आते ही आपातकाल की चर्चा शुरू

देश में एक बार फिर आपातकाल पर चर्चा छेड़ी जा चुकी है। पिछले 11 सालों से यह सिलसिला चल ही रहा है कि जून का महीना आते ही आपातकाल की याद दिलाकर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनके साथ कांग्रेस को भी कटघरे में खड़ा किया जाए। ठीक है कि इतिहास की गलतियों से सबक लेकर वर्तमान सुधारने और भविष्य को संवारने की नसीहत दी जाती रही है। लेकिन यहां मकसद कुछ और ही दिखता है। पहली बात तो यह कि आपातकाल किन हालात में लागू किया गया, संवैधानिक व्यवस्था के तहत ही इस पर फैसला लिया गया या नहीं, अगर उस समय आपातकाल नहीं लगाया जाता तो क्या पूरे देश में अराजकता नहीं फैल जाती, इन बातों पर ईमानदारी से विचार न कर केवल एकतरफा राय थोपी जाती है कि इंदिरा गांधी तानाशाही मानसिकता की थीं, वे सारी शक्ति अपने हाथ में रखना चाहती थीं, इसलिए उन्होंने आपातकाल लगाया। ऐसे इल्जाम लगाने वाले लोग भूल जाते हैं कि उन्हीं इंदिरा गांधी को फिर से जनता ने ही भारी बहुमत देकर सत्ता पर बिठाया था। खैर, आपातकाल आज से 50 बरस पुरानी बात है और इस एक फैसले के अलावा भी इंदिरा गांधी ने बहुत से अन्य क्रांतिकारी फैसले लिए थे, प्रिवीपर्स का खात्मा, बैंकों का राष्ट्रीयकरण, परमाणु परीक्षण, बांग्लादेश का निर्माण, इन सब फैसलों की तारीख और साल भाजपा उस तरह से याद क्यों नहीं करती है, जैसे आपातकाल को करती है। यहीं मकसद की बात सिद्ध होती है कि जब अपनी सत्ता की उपलब्धियां गिनाने के लिए कुछ खास न रहे, तो फिर पूर्ववर्ती शासकों की गलतियां गिनाकर ध्यान भटकाया जाए। भाजपा इस समय इसी कार्य में लगी है।

आपातकाल के पचास बरस पर मोदी सरकार के 11 बरस भारी पड़ सकते थे, बशर्ते इस एक दशक में देश को सम्मान और लोकतंत्र को मजबूत करने वाला कोई काम हुआ होता। मगर 11 सालों की याद करें तो सबसे पहले योजना आयोग का खात्मा, फिर नोटबंदी, जीएसटी, लॉकडाउन, किसान आंदोलन, सीएए, एनआरसी, जम्मू-कश्मीर से विशेष राज्य का दर्जा वापस लेना, उसे केंद्र शासित राज्य बनाकर दो हिस्सों में बांटना, राम मंदिर उद्घाटन ऐसे कार्य और फैसले ही याद आते हैं। इन सबमें उपलब्धि कम और विवाद ज्यादा खड़े हुए हैं, और जो रही-सही कसर थी, उसे डोनाल्ड ट्रंप के अपमानजनक व्यवहार ने पूरी कर दी।

भारत का वैश्विक स्तर पर अपमान करने की चेष्टा अमेरिका ने शुरू से की, लेकिन नेहरूजी से लेकर बाजपेयीजी और डा. मनमोहन सिंह तक सारे प्रधानमंत्रियों का रुतबा ऐसा था कि अमेरिका कोशिश ही करता रह गया, कभी कामयाब नहीं हुआ। अब डोनाल्ड ट्रंप एक तरफ युद्धविराम पर बार-बार अपना दावा ठोंक रहे हैं और अब अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के मौके पर पाकिस्तानी जनरल असीम मुनीर को खास न्यौता देकर ट्रंप ने भारत को नीचा दिखाने की चेष्टा की है। इधर कनाडा में होने जा रहे जी-7 को लेकर भी खुलासा हुआ है कि भारत को पहले इसमें आमंत्रित नहीं किया गया था, फिर प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने खुद फोन करके प्रधानमंत्री मोदी को आने का न्यौता दिया, लेकिन इससे पहले एक शर्त मनवा ली।

शर्त यह कि कनाडा के साथ कानून प्रवर्तन यानी लॉ इनफोर्समेंट में भारत सहयोग करेगा। नरेन्द्र मोदी ने इस बारे में कुछ नहीं कहा है, लेकिन प्रधानमंत्री कार्नी ने खुद इसकी जानकारी दी है। इसमें हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड का जिक्र खुल कर नहीं किया गया है। लेकिन ये समझना कठिन नहीं है कि कनाडा ने लॉ इनफोर्समेंट सहयोग की शर्त आखिर क्यों रखी। वह पहले भी भारत पर इस हत्या में भागीदार होने का इल्जाम लगा चुका है और दोनों देशों के बीच रिश्तों में खटास इसी मुद्दे के बाद बढ़ी थी। अब कनाडा अपनी शर्त मनवा कर भारत को न्यौता दे रहा है, इसका कैसा संदेश दुनिया में जाएगा, यह समझा जा सकता है। वैसे भी आखिर किसी समूह की बैठक में भागीदारी के लिए शर्त मानने की बात क्या उचित है, क्या यह भारत के सम्मान को ठेस पहुंचाना नहीं है, यह भी विचारणीय है।

विदेश नीति से लेकर घरेलू मसलों तक कई मुद्दों पर इस समय व्यापक चर्चा की जरूरत है। संसद का मानसून सत्र तो अगले महीने शुरू होगा, लेकिन विपक्ष पिछले एक महीने से पहलगाम हमले और आपरेशन सिंदूर को लेकर संसद के विशेष सत्र की मांग करता रह गया और सरकार ने उसकी बात नहीं सुनी। क्या सत्ता की मनमर्जी आपातकाल जैसी ही नहीं लगती है। संसद में बैठे विपक्षी सांसदों की बात सरकार नहीं सुनती, अपने आलोचक लेखकों-पत्रकारों-बुद्धिजीवियों पर तरह-तरह के अंकुश लगाए जाते हैं, किसानों की मांगें पूरी नहीं होतीं, विद्यार्थियों की तकलीफ सरकार नहीं समझ रही है, ये सब देश में अघोषित आपातकाल की तरह ही हैं। लेकिन सरकार इसे बहुमत का अधिकार समझ कर अपना शक्ति प्रदर्शन करने में लगी है। ऑपरेशन सिंदूर का राजनैतिक मकसद पूरा होता नहीं दिखा तो अब सरकार ने इसकी चर्चा थोड़ी कम कर ली है और साथ ही आपातकाल की 50वीं बरसी मनाने के लिए जो विशेष सत्र बुलाना था, उससे भी कदम पीछे खींचे गए, क्योंकि सत्र लगता तो फिर विपक्ष सरकार से वही सवाल पूछता जो महीने भर से पूछ रहा है। हालांकि अब एक और फैसले की जानकारी आई है कि देश के सभी जिलों में 25-26 जून को मॉक पार्लियामेंट यानी नकली संसद का आयोजन करेगी और छात्रों को आपातकाल की भयावहता के बारे में बताएगी कि किस तरह कांग्रेस ने उस समय सारी शक्ति अपने हाथ में करने की कोशिश की थी और यह लोकतंत्र पर कुठाराघात था।

मन्दिरों में पैसे लेकर एवं वीआईपी दर्शन बन्द हो

-: ललित गर्ग:-

ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में पैसे लेकर दर्शन कराने वाले बाउंसरों की गिरफ्तारी के बाद श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में सुगम दर्शन के नाम पर एक साथ इक्कीस लोगों की गिरफ्तारी जहां मंदिर प्रशासन की व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह है, वही ईश्वर के दरबार में पांव फैला रहा भ्रष्टाचार गहन चिन्ताजनक एवं शर्मनाक हैं। कुछ ही दिनों पहले ओंकारेश्वर स्थित ममलेश्वर मंदिर में भक्तों से वीआइपी दर्शन के नाम पर अवैध वसूली करने पर प्रशासन ने एक होमगार्ड जवान और दो पंडितों पर कार्रवाई की है। देश-विदेश के भक्त अगाध श्रद्धा से अपने आराध्य का दर्शन करने आते हैं, लेकिन देश के प्रमुख मन्दिरों में सीधे दर्शन कराने के नाम पर पैसों की लूट मची है या वीआईपी संस्कृति के नाम पर त्रासद एवं भेदभावपूर्ण स्थितियां पसरी है। सवाल यह पूछा जा रहा है कि हिंदुओं के धार्मिक स्थलों और आयोजनों में क्यों भक्तों के बीच भेदभाव होता है? मन्दिरों में गरीब एवं अमीर के बीच भेदभाव की स्थितियां खुला भ्रष्टाचार ही है। पैसे लेकर एवं वीआईपी दर्शन की अवधारणा भक्ति एवं आस्था के खिलाफ है। यह एक असमानता का उदाहरण है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी आघात करती है। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में तो त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था भी है। मंदिर का चप्पा-चप्पा सीसीटीवी कैमरे की पहुंच में है। यह मन्दिर सुरक्षा कारणों से अतिसंवेदनशील स्थल होने के बावजूद ऐसा कृत्य खेदजनक ही नहीं, आपत्तिजनक भी है। मंदिर प्रबंधन को चाहिए कि दर्शन की प्रचलित व्यवस्था को और सुगम, भ्रष्टाचार व दोषरहित बनाए ताकि व्यवस्था में कोई सेंध न लगे और जन-आस्था आहत न हो। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में तो सुगम दर्शन का शुल्क भी जमा कराया जाता है पर ठगों की जमात ने शीघ्र दर्शन के नाम पर कमाई का नया रास्ता तलाश लिया। मंदिर प्रबंधन को चाहिए कि वह सुगम दर्शन व्यवस्था के नाम पर हो रही धांधली को गंभीरता से ले। फर्जी पंडा, गाइड बनकर लोगों को झांसे में लेने वाले लोग अचानक एक दिन में डेरा नहीं जमाए होंगे। यह सब काफी समय से चल रहा होगा। इस प्रकार की ठगी करने की संभावना कैसे बन जाती है, इसकी जांच होनी चाहिए। बात केवल ठाकुर बांके बिहारी मंदिर या श्रीकाशी विश्वनाथ धाम की ही नहीं है, बल्कि देश के प्रमुख मन्दिरों में बढ़ती जन-आस्था की भीड़ एवं लम्बी-लम्बी लाइनों के बीच पैसे लेकर या वीआईपी दर्शन कराने की त्रासद एवं विसंगतिपूर्ण स्थितियों की हैं, जिसने न केवल देश के आम आदमी के मन को आहत किया है, बल्कि भारत के समानता के सिद्धान्त की भी धज्जियां उड़ा दी है। कुछ विशेष लोगों को मिलने वाले वीआईपी सम्मान एवं सुविधा पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है।

बांके बिहारी मंदिर में एक बार फिर वीआईपी कल्चर का खेल सामने आया है। मंदिर की भीड़ से हटकर वीआईपी दर्शन कराने के नाम पर एक निजी सुरक्षा एजेंसी ने बाउंसर उपलब्ध कराकर पैसे कमाने का गोरखधंधा शुरू कर दिया था। एजेंसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे फेसबुक और इंस्टाग्राम पर प्रचार कर यह दावा किया कि वे श्रद्धालुओं को भीड़ से बचाकर विशेष वीआईपी दर्शन कराने में मदद कर सकते हैं। यह तो घोषित गैरकानूनी व्यवस्था है, लेकिन अन्य प्रमुख मन्दिरों में भी मन्दिर से जुड़े लोग या अन्य ठग पैसे लेकर दर्शन कराते हैं। सबसे ज्यादा दुखद एवं विडम्बनापूर्ण है वीआईपी दर्शन का प्रचलन। प्रश्न है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले ही कार्यकाल के दौरान वीआईपी कल्चर को खत्म करते हुए लालबत्ती एवं ऐसी अनेक वीआईपी सुविधाओं को समाप्त कर दिया था तो मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों की वीआईवी संस्कृति को क्यों नहीं समाप्त किया? क्यों मन्दिरों में वीआईपी दर्शन के लिये सरकार ने अलग से व्यवस्थाएं की। दरअसल, वीआईपी संस्कृति का दायरा बहुत व्यापक है। यह धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है। लोकतंत्र से लेकर आस्था तक, कई मौकों पर कुछ खास लोगों को विशेष सुविधाएं दी जाती हैं। लोकतंत्र का मूल सिद्धांत कहता है कि सभी नागरिक समान हैं, फिर भी व्यवहार में कुछ लोग ह्यविशेषह्ण बन जाते हैं, चाहे वे सड़क पर हों, सरकारी दफ्तरों में, अस्पतालों में या मंदिरों में! इसी तरह, बड़े नेताओं और अधिकारियों के लिये मन्दिरों में सीधे दर्शन कराने की व्यवस्थाएं हैं, जिससे लम्बी कतारे और लम्बे समय का इंतजार करती है। ऐसी व्यवस्था से मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों में हादसें भी होते हुए देखे गये हैं। इन वीआईपी के लिए अक्सर यातायात रोक दिया जाता है, जिससे आम जनता घंटों जाम में फंसी रहती है। अस्पतालों में वीआईपी वार्ड हैं, जबकि आम मरीजों को बिस्तर भी नहीं मिल पाता। एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशनों पर वीआईपी यात्रियों को विशेष सुविधाएं मिलती हैं, जबकि आम लोग लंबी कतारों में खड़े रहते हैं। वीआईपी संस्कृति एक नासूर बन गई है। यही कारण है कि हर सरकार वीआईपी संस्कृति को खत्म करने का वादा करती है, लेकिन हकीकत में इसे बनाए रखने के नए-नए तरीके खोजे जाते हैं।

महाकुंभ भगदड़ पर नए सवाल

जनता की सहनशक्ति, उसकी कमजोर स्मरणशक्ति या अन्याय के आगे खामोश रहने की आत्मघाती प्रवृत्ति, कारण जो भी हो, लेकिन ऐसी ही किसी वजह से देश में मानवनिर्मित (सरकार निर्मित पढ़ा जाए) आपदाएं थम ही नहीं रही हैं। छह महीने पहले महाकुंभ में भगदड़ मची थी, वह भी ऐसी ही एक आपदा थी। भाजपा सरकार ने इस महाकुंभ का आयोजन कुछ इस अंदाज में किया था मानो देश में मोदीजी सत्ता में हैं तो महाकुंभ का योग बना, अन्यथा नक्षत्र-तारे तो अपनी चाल बदल लेते। 144 साल बाद महाकुंभ का अद्भुत संयोग बना है, यही श्रद्धालुओं को बताया गया। देश ही नहीं विदेशों से भी आध्यात्म का सुख लेने लोग आ रहे हैं, इस बात को सगर्व सरकार और मीडिया ने प्रस्तुत किया। यानी कुंभ में डुबकी लगाने वाले तो सांसारिक मोह-माया से ऊपर उठे, मगर सरकार इसी में खुश होती रही कि कितने विदेशियों ने यहां डुबकी लगाई। पूरे देश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज पहुंचे थे। बहुतों को धर्म का पालन करना था, बहुतों को भेड़ चाल का हिस्सा बनना था कि जब इतने लोग पहुंच रहे हैं तो हम भी पहुंच जाए। सरकार चाहती भी यही थी कि महाकुंभ के लिए रिकार्डतोड़ आगंतुक पहुंचें। रोजाना आंकड़े पेश होते थे, आज इतने लाख लोगों ने डुबकी लगाई, आज इतने लाख लोग और पहुंच गए। बताया गया कि करीब 7 हजार करोड़ रुपए महाकुंभ के आयोजन में खर्च हुए और 66 करोड़ लोग 45 दिन में पहुंचे।

सब कुछ अच्छे से चल रहा था और सरकार चाहती भी यही थी कि इस सफल आयोजन की गूंज पूरी दुनिया में जाए। दुनिया के उन्नत देश ओलंपिक, फुटबॉल वर्ल्ड कप जैसे आयोजनों से जब अपनी धाक जमा सकते हैं, तो भारत महाकुंभ के जरिए अपनी धूम मचाना चाहती थी। लेकिन 29 जनवरी को मची भगदड़ ने महाकुंभ की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। पहले तो उप्र सरकार ने यह स्वीकार ही नहीं किया था कि भगदड़ हुई है, जबकि दिल्ली से प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ने मृतकों के लिए श्रद्धांजलि पेश कर दी। इसके बाद सरकार ने माना कि भगदड़ हुई है, लेकिन उसमें कितने हताहत हुए, यह आंकड़े पहले पेश नहीं किए गए। जो पेश हुए, उनकी सच्चाई पर सवाल उठे। क्योंकि जहां एक साथ लाखों लोग मौजूद थे, वहां मौतों का आंकड़ा 37 बताया गया, जबकि कई पत्रकारों ने कहा था कि उन्होंने मुर्दाघरों में कहीं ज्यादा लाशें गिनी हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी जब राज्यसभा में कुंभ में हजारों मौतों का हवाला दिया था तो भाजपा सांसदों ने उन्हें टोका था कि वे गलत कह रहे हैं। तब श्री खड़गे ने कहा था कि आप सही आंकड़े बता दीजिए। लेकिन संसद में इस पर मोदी सरकार ने चर्चा होने ही नहीं दी और उप्र विधानसभा में आदित्यनाथ योगी ने 37 मौतों का आंकड़ा दिया, साथ ही बताया कि इन्हें मुआवजा भी दिया गया है। लेकिन अब मीडिया संस्थान बीबीसी की रिपोर्ट ने महाकुंभ पर नए सवाल खड़े किए हैं। बीबीसी ने महाकुंभ की भगदड़ में प्रभावित लोगों के परिजनों से मुलाकात की, 11 राज्यों में 50 से अधिक जिलों में करीब सौ परिवारों से बीबीसी रिपोर्ट्स ने मुलाकात की।

भारत को चाहिए संदेह से परे एक चुनाव आयोग

- डॉ. ज्ञान पाठक

सरकार किस तरह से चुनाव प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर रही है और भारतीय चुनाव आयोग पीएमओ की इच्छा के आगे झुक रहा है, यह दिसंबर, 2024 में स्पष्ट हो गया था, जब केंद्रीय कानून मंत्रालय ने 1961 के नियमों के नियम 93 (2) में संशोधन किया था, ताकि सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुले 'कागजात' या दस्तावेजों के प्रकार को प्रतिबंधित किया जा सके। यह मामला भारत के सर्वोच्च न्यायालय में भी गया

स्वतंत्रता के बाद से ऐसा कभी नहीं हुआ जब भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) पर लोगों का इतना अविश्वास रहा हो, जितना अब खुलकर व्यक्त किया जा रहा है। ईसीआई को चुनावी लड़ाई में एक तटस्थ अंपायर के रूप में अपना कर्तव्य निभाना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से कई मौकों पर ऐसा लगा कि यह प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का ही एक विस्तार है।

महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर के सबसे बड़े लक्षण क्या हैं?

आज के समय में महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं. यह कैंसर महिलाओं के रिप्रोडक्टिव सिस्टम से जुड़ी एक घातक बीमारी है, जो यूटरस के निचले हिस्से यानी सर्विक्स में होता है. यह वह हिस्सा होता है जो यूटरस को योनि से जोड़ता है. यह कैंसर तब होता है जब सर्विक्स के सेल्स असामान्य रूप से बढ़ने लगते हैं और शरीर के अन्य हिस्सों में फैल जाते हैं. यह महिलाओं के लिए बेहद नुकसानदायक साबित हो सकता है, क्योंकि इसके लक्षण शुरूआत में न के बराबर होते हैं और धीरे-धीरे यह गंभीर रूप ले लेते हैं. समय रहते इसका पता चल जाए तो इसका इलाज संभव है. आइए जानें, इसके कारण, लक्षण और इससे बचाव के तरीके क्या हैं.

सर्वाइकल कैंसर मुख्य रूप से ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (ल्ढश) के संक्रमण से होता है. यह वायरस इंटरकोर्स के जरिए फैलता है. हालांकि, सभी ल्ढश संक्रमण कैंसर का कारण नहीं बनते, लेकिन इसके कुछ प्रकार लंबे समय तक शरीर में बने रहते हैं और कैंसर का कारण बन सकते हैं. इसके अलावा कमजोर इम्यून सिस्टम, बार-बार प्रेग्नेंसी, असुरक्षित इंटरकोर्स, कम उम्र में इंटरकोर्स की शुरूआत, बार-बार इंटरकोर्स पार्टनर बदलना, धूम्रपान और अनहाइजीनिक लाइफस्टाइल भी इस कैंसर के अन्य कारण हो सकते हैं.

सर्वाइकल कैंसर के बड़े लक्षण क्या हैं?

मैक्स अस्पताल में ऑनकोलॉजिस्ट डॉ. रोहित कपूर बताते हैं कि सर्वाइकल कैंसर की शुरूआत में अक्सर कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखते, जिससे महिलाएं इसे नजरअंदाज कर देती हैं. लेकिन जैसे-जैसे यह बढ़ता है, कुछ संकेत दिखाई देने लगते हैं जिन्हें नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है. सबसे मुख्य लक्षणों में इंटरकोर्स के बाद ब्लीडिंग होना और पीरियड्स या मेनोपॉज के बाद असामान्य ब्लीडिंग होना शामिल हैं. सामान्य व्हाइट डिस्चार्ज में बदबू नहीं होती है, लेकिन अगर उसमें दुर्गंध हो, रंग गाढ़ा या पीला हो, तो यह संक्रमण या कैंसर का इशारा हो सकता है.

पंजाब के महाधिवक्ता श्री एम.एस. बेदी ने की राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट

हरियाणा वाटिका/प्रवीन कुमार

चंडीगढ़, 14 जून। पंजाब के महाधिवक्ता श्री मनिन्दरजीत सिंह बेदी ने आज राजभवन में पंजाब के राज्यपाल एवं केन्द्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया से शिष्टाचार भेंट की।

भेंट के दौरान दोनों के बीच पंजाब राज्य से संबंधित विभिन्न कानूनी एवं प्रशासनिक विषयों पर चर्चा हुई। राज्यपाल महोदय ने राज्य सरकार को विधिक मार्गदर्शन प्रदान करने और कानून के शासन को सुदृढ़ करने में महाधिवक्ता श्री एम.एस. बेदी की भूमिका की सराहना की।

गौमाता को राष्ट्र माता घोषित करवाने के अभियान के तहत चण्डीगढ़ में भी बनाएंगे गौ-मतदाता : शैलेन्द्र योगिराज सरकार

हरियाणा वाटिका/प्रवीन कुमार

चण्डीगढ़, 14 जून। ज्योतिष पीठाधीश्वर जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज जी एवं गौ कृपाकांक्षी गोपाल मणि जी महाराज द्वारा पिछले वर्ष देश भर के सभी जिलों के साथ-साथ चण्डीगढ़ में गोपाल गोलोक धाम, कैम्बवाला में भी गौ-ध्वज की स्थापना की गई थी। इस गौ-ध्वज की परिक्रमा व पूजन-अर्चन का कार्यक्रम शनिवार 14 जून को होगा।

इस सिलसिले में शंकराचार्य जी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी शैलेन्द्र योगिराज सरकार ने आज चण्डीगढ़ प्रेस क्लब में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि वे गावो विश्वस्य मातर अर्थात गाय विश्व की माता है के मंत्र का पालन करते हुए पूरे भारत वर्ष में गौ-ध्वज परिक्रमा व निरीक्षण यात्रा पर निकले हैं जिसके तहत चण्डीगढ़ में गोपाल गोलोक धाम, कैम्बवाला में शंकराचार्य द्वारा स्थापित गौ-ध्वज व गौ माता की परिक्रमा व पूजन अर्चन कार्यक्रम शनिवार, 14 जून को होगा।

युवक 5.57 ग्राम हैरोइन सहित गिरफ्तार

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 14 जून। सीआईए डबवाली पुलिस ने गश्त के दौरान वार्ड नंबर आठ से एक युवक को 5.57 ग्राम हैरोइन सहित काबू किया है।

सीआईए डबवाली प्रभारी सब इंस्पेक्टर राजपाल ने बताया कि थाना की एक पुलिस टीम ने गश्त के दौरान वार्ड नंबर आठ में नेहरु स्कूल के समीप से एक युवक को शक के आधार पर रोककर उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जा से 5.57 ग्राम हैरोइन बरामद हुई। आरोपी की पहचान पंकज कुमार निवासी वार्ड नंबर आठ के रुप में हुई है। पुलिस में आरोपी के खिलाफ थाना शहर में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज किया है। वहीं एक अन्य मामले में पुलिस ने शस्त्र अधिनियम के तहत पकड़े गए आरोपी सुखप्रीत सिंह से पूछताछ के आधार पर सप्लायर गुरजीत सिंह निवासी नागोकी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को अब अदालत में पेश किया जाएगा।

दुकान की पुरानी बैटरी चोरी, केस दर्ज

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू, 14 जून। बीती रात्रि को देवीलाल चौक स्थित जांगड़ा इलेक्ट्रॉनिक्स से चोरों द्वारा बैटरी चुराने का मामला संज्ञान में आया है। पीड़ित दुकानदार ने मामले की शिकायत स्थानीय थाने में दी है। पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस को दी शिकायत में राजू निवासी पथरवा ने बताया कि उसने देवीलाल चौक पर किराए पर दुकान लेकर बैटरी की दुकान कर रखी है। दुकान के पीछे वाली खाली जगह में पुरानी बैटरी रखी हुई हैं जहां से बीती रात्रि को चोरों ने 2 बैटरी चुरा ली। मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया की हरित भविष्य की दिशा में देशव्यापी पहल

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

करनाल, 14 जून। होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया ने पर्यावरण सप्ताह 2025 के तहत 5 जून (विश्व पर्यावरण दिवस) से देशभर में अपनी डीलरशिप नेटवर्क पर कई पर्यावरण जागरूकता और सस्टेनेबिलिटी-केंद्रित गतिविधियाँ आयोजित कीं। इस पहल का उद्देश्य लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और ज़िम्मेदार व्यवहार को प्रोत्साहित करना था। यह अभियान गाज़ियाबाद स्थित हिंदन होंडा डीलरशिप पर एक विशेष कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ, जिसमें एचएमएसआई के वरिष्ठ अधिकारियों झ श्री शशांक रजदान (जनरल मैनेजर, रीजनल बिजनेस - सेंट्रल) और श्री रविकुमार अन्नासाहेब फिरगण्णावर (जनरल मैनेजर, रीजनल बिजनेस - सेंट्रल कस्टमर सर्विस) झ ने भाग लिया।

इस वर्ष के विश्व पर्यावरण दिवस की थीम ह्यप्लास्टिक प्रदूषण को हराओह्न ने एचएमएसआई की जमीनी गतिविधियों की दिशा तय की। सप्ताहभर चलने वाले इस अभियान के तहत, एचएमएसआई की डीलरशिप्स और सर्विस आउटलेट्स ने देशभर में ग्राहकों और स्थानीय समुदायों के साथ सक्रिय भागीदारी की।

मुख्य गतिविधियों में डीलरशिप पर आने वाले सभी ग्राहकों को पौधों का वितरण, प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्परिणामों पर जागरूकता अभियान, और देश के कई शहरों और कस्बों में 1,25,000 से अधिक पौधारोपण शामिल रहे। इसके अलावा, वाहनों के अधिक स्वच्छ और कुशल उपयोग को बढ़ावा देने के लिए निःशुल्क पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल (ढवउ) चेक-अप कैंप भी आयोजित किए गए।

एचएमएसआई अपने प्लांट्स और संचालन इकाइयों में क्लीन टेक्नोलॉजी और संसाधन दक्षता को बढ़ावा देते हुए, स्थायी निर्माण प्रथाओं को मजबूती दे रही है। पर्यावरण सप्ताह के तहत चलाए गए इस राष्ट्रव्यापी अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों, डीलरों, कर्मचारियों और नेतृत्व की सामूहिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना रहा – ताकि एक स्वच्छ, हरित और टिकाऊ भविष्य की नींव रखी जा सके।

लोहारू रेलवे स्टेशन पर जीआरपी व आरपीएफ चलाया संयुक्त जांच अभियान

-यात्रियों को रेल नियमों के प्रति किया जागरूक

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू, 14 जून। शनिवार को स्थानीय रेलवे जंक्शन पर जीआरपी व आरपीएफ ने संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया। आगामी 21 जून को योग अंतर्राष्ट्रीय दिवस दिवस के मध्यनजर सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया। इस दौरान रेल परिसर में यात्रियों को रेल नियमों के प्रति और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जागरूक किया। आरपीएफ चौकी इंचार्ज एसआई पूनम सैनी ने बताया कि सुरक्षा के मध्यनजर यह अभियान चलाया गया है। रेलवे स्टेशन परिसर व बाहर जांच अभियान चलाया जांच अभियान के दौरान रेलवे पुलिस कर्मियों के साथ यात्रियों के सामान की जांच की

तथा रेलवे पार्किंग में वाहनों की भी जांच की। इस दौरान यात्रियों को सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पर्वों पर आतंकी किसी भी अप्रिय वारदात को अंजाम देने की फिराक में रहते हैं ऐसे में यदि रेलवे स्टेशन व अन्य किसी स्थान पर कोई व्यक्ति संदिग्ध दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। क्योंकि लावारिस बैग में कोई विस्फोट सामग्री भी हो सकती है। इस दौरान उन्होंने रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों में भी जांच अभियान चलाया तथा यात्रियों को सुरक्षा दृष्टि से आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर उनके साथ आरपीएफ के श्यामसुंदर, ओमप्रकाश, अब्दुल वाहिद, कंचन,शीशराम, विनोद, जॉनी बीरमती आदि उपस्थित रहे।

सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी चली अपने दादा पूर्व सीएम स्व. चौ. बंसीलाल की राह पर

78 रैंडम सैंपलिंग में 18 फेल पाए जाने पर मंत्री श्रुति चौधरी ने 74 अधिकारियों को किया चार्जशीट

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 14 जून। प्रदेश की जल संसाधन एवं सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी अपने दादा पूर्व मुख्यमंत्री चौ. बंसीलाल व पिता पूर्व मंत्री चौ. सुरेंद्र सिंह के दिखाए मार्ग पर चलते हुए तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भाजपा सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टोलरेंस की नीति को अपनाते हुए अपने कार्य में कोताही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कदम उठा रही है तथा भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाने के उद्देश्य से जमीनी स्तर पर कार्य कर रही है। इसी कड़ी में मंत्री श्रुति चौधरी ने 74 अधिकारियों को चार्जशीट किया है, जिसमें जल संसाधन एवं सिंचाई विभाग के जेई, एसडीओ, एक्सईन व दो चीफ इंजीनियर शामिल है। जल संसाधन

एवं सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी ने सिंचाई विभाग द्वारा करवाए जा रहे विकास कार्यों की सैंपल जांच के आदेश दिए थे, जिसके तहत 78 रैंडम सैंपलिंग लिए गए थे, जिनमें से 18 सैंपल फेल पाए, जिनमें कंक्रटी एवं पाईप आदि के सैंपल थे। जिस पर मंत्री श्रुति चौधरी ने तुरंत प्रभाव से एक्शन लिया तथा जल संसाधन एवं सिंचाई विभाग के जेई, एसडीओ, एक्सईएन व दो चीफ इंजीनियर सहित 74 अधिकारियों को चार्जशीट किया। यही नहीं स्वयं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सपोर्ट करते हुए इन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है। उन्होंने कहा कि जब से श्रुति चौधरी भाजपा सरकार में मंत्री बनी है, तब से लगातार भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। हैं। वे दिन-रात मेहनत करते हुए एक-एक फाईल व कार्य को बड़ी तसल्ली से तराश रही है। राव रामभगत डोहका व कुलदीप कड़वासरा ने कहा कि केबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी अपने दादा पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौ. बंसीलाल के पद चिन्हों पर चलते हुए आमजन हित में सराहनीय कार्य कर रही है। उन्होंने कार्यकताओं को भी स्पष्ट आदेश दिए है कि वे ना तो वे कोई गलत काम करें और ना ही गलत की सिफारिश करें। श्रुति चौधरी के इस कदम की चारों तरफ प्रशंसा हो रही है। केबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी के इस कदम की कृष्णा मास्टर ढाणी फोगाट, सतपाल अटेला, एडवोकेट अनूप सांगवान छपार, आनंद पूर्व सरपंच पंतावास, हरि यादव, रण सिंह मांजू अटेला, सतवीर बीडीसी, अजय शर्मा डूडीवाला, हरपाल यादव, सरपंच बरसाना, जयवीर उमरवास, तेजपाल सांगवान, वासुदेव शर्मा, अमित पातुवास, जय सिंह कटारिया, राजेश बंधवाना सहित समस्त कार्यकताओं ने प्रशंसा की तथा भ्रष्टाचार रोकने की दिशा में यह अहम कदम बताया।

कुरुक्षेत्र में योग मैराथन का यादगार और ऐतिहासिक आयोजन आज

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी राज्य स्तरीय योग मैराथन को देंगे हरी झंडी

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 14 जून। हरियाणा खेल विभाग के महानिदेशक एवं अंबाला मंडल आयुक्त संजीव वर्मा ने कहा कि कुरुक्षेत्र ब्रह्मसरोवर पर राज्य स्तरीय योग मैराथन को ऐतिहासिक और यादगार बनाने के लिए प्रशासन और खेल विभाग की तरफ से तमाम प्रबंध पूरे किए है। इस राज्य स्तरीय योग मैराथन को 15 जून को सुबह 6 बजे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हरी झंडी देकर रवाना करेंगे। इस राज्य स्तरीय योग मैराथन में हजारों धावक योग युक्त, नशा मुक्त हरियाणा के लिए दौड़ लगाएंगे। अहम पहलू यह है कि इस मैराथन के पहले 20 प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। हरियाणा खेल विभाग के महानिदेशक एवं अंबाला मंडल आयुक्त संजीव वर्मा व उपायुक्त नेहा सिंह शनिवार को ब्रह्मसरोवर और रूट पर योग मैराथन की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस को कानून व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था और वाहनों का रूट डायवर्जन करने के निर्देश दिए। हरियाणा खेल विभाग के महानिदेशक एवं अंबाला मंडल आयुक्त संजीव वर्मा ने कहा कि 15 जून को सुबह 6 बजे योग मैराथन का आयोजन किया जाएगा। जिन युवाओं ने मैराथन में हिस्सा लेना है वे गूगल फॉर्म से आवेदन कर सकते हैं।

तोशाम के वार्ड 4 व 19 के निवासियों ने बिजली न आने से परेशान होकर तोशाम बिजली बोर्ड का मुख्य द्वार किया बंद

करीबन 1 घंटे बाद एसडीओ ने आकर खुलवाया गेट

हरियाणा वाटिका/दीपक माहेश्वरी

तोशाम, 14 जून। तोशाम के वार्ड नंबर 4 व 19 के निवासियों ने पिछले तीन दिनों से रात दस बजे से सुबह 10 बजे तक लाईट नहीं आने से परेशान होकर शनिवार को तोशाम बिजली बोर्ड का मुख्य द्वार बंद कर दिया और गेट पर बैठकर नारेबाजी के साथ विरोध प्रदर्शन किया। इसके करीबन एक घन्टे बाद विभाग के एसडीओ ने मौके पर पहुंचकर गेट खुलवाया। इस दौरान ग्रामीणों ने बिजली प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। इस मौके पर मौजूद ग्रामीण निशांत सोनी, महेंद्र, रविन्द्र चौहान, बजरंग, आकाश, मुकेश, अभिजीत, भागू पंघाल ने

बताया कि इस भीषण गर्मी में बिजली नहीं आने से उन्हें बहुत ज्यादा परेशानी हो रही है। पिछले दिनों रात के समय बिजली नहीं आने के करण बच्चे व ग्रामीण सो नही पाए। जिसके बाद गुस्साए ग्रामीणों ने शनिवार को सुबह बिजली निगम कार्यालय का मुख्य द्वार बंद कर दिया। गुस्साए ग्रामीणों ने इस मौके पर बिजली निगम के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सूचना के बाद एसडीओ मौके पर पहुंचे। एसडीओ ने लोगो को आश्वस्त कर गेट खुलवाया। इस बारे में एसडीओ चेतन ने बताया कि एक दो दिन से केबल में दिक्कत थी अब केबल बदलवा दी गई है जिससे अब बिजली सुचारू रूप से चल रही है। ज्यादा गर्मी के कारण यह दिक्कत थी।

प्रयास-एक कोशिश सामाजिक संगठन ने 9 वें स्थापना दिवस पर सब फायर स्टेशन में लगाया वॉटर कूलर

गर्मी के मौसम में शीतल जल प्रबंधन करना पुनीत कार्य: एसडीएम

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू, 14 जून। शनिवार को प्रयास-एक कोशिश सामाजिक संगठन द्वारा संगठन के 9 वें स्थापना दिवस पर सब फायर स्टेशन में वाटर कूलर लगाया गया। इस कार्य का शुभारंभ एसडीएम मनोज दलाल ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के मौसम में ठंडे जल का प्रबंध करना पुनीत कार्य है और हमें इस प्रकार के सामाजिक कार्यों में सहयोग करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगरपालिका अध्यक्ष प्रदीप कुमार तायल ने की। उन्होंने कहा कि प्रयास-एक कोशिश सामाजिक संगठन पिछले कई वर्षों से अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को निभा रहा है और अन्य साथियों के लिए प्रेरणा का कार्य कर रहा है। संगठन के सभी सदस्य जो पिछले 9 वर्षों से सामाजिक कार्य कर रहे हैं इसके लिए बधाई के पात्र हैं। नपा चेयरमैन प्रदीप तायल ने कहा कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और

समाज हित के कार्यों में हम सभी को बढ़चढ़ कर भाग लेना चाहिए। प्रयास संगठन विभिन्न सामाजिक गतिविधियों को संचालित कर रहा है जिसका लाभ आमजन को मिलता है। नगरपालिका इस प्रकार के सामाजिक कार्यों में हरसंभव सहयोग के सदैव तत्पर है। वॉटर कूलर के उद्घाटन के बाद फायर स्टेशन परिसर में एसडीएम मनोज कुमार दलाल, नगरपालिका अध्यक्ष प्रदीप कुमार तायल व अन्य सदस्यों ने पौधारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। स्टेट अवॉर्डी प्रवक्ता श्याम सुंदर सांगवान ने इस कार्य को समाज हित का कार्य बताते हुए संगठन के कार्यों की प्रशंसा की।

कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए प्रधान महेन्द्र कथूरिया, संस्थापक मास्टर पवन स्वामी और कोषाध्यक्ष डॉ. उमेद जांगिड़ ने बताया कि उनका संगठन पिछले नौ सालों से प्रतिभा सम्मान, खुशियों की दीवार, निःशुल्क बुक बैंक, पौधारोपण, जल संरक्षण, पक्षियों के लिए परिंडा अभियान जैसे अनेकों अभियान चला रहा है जिन्हें आमजन और गणमान्य लोगों का भरपूर सहयोग मिलता है। वॉटर कूलर लगाकर आमजन को समर्पित किया है उसका लाभ आसपास की बस्ती में रहने वाले लोगों को मिलेगा। भविष्य में भी समाज हित के कार्य लगातार जारी रहेंगे। कार्यक्रम में पार्षद अशोक सैनी, पार्षद अजय शर्मा, पार्षद सुनील सोलंकी, पार्षद अंतर सिंह, पार्षद प्रतिनिधि नरेश बड़सीवाल, पार्षद प्रतिनिधि रामबीर, पार्षद प्रतिनिधि अश्वनी सैनी, पूर्व सब इंस्पेक्टर मन्नूराम स्वामी भी शामिल हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में संगठन सदस्य अजय शर्मा, सरपंच राकेश शर्मा, अमित वालिया, रविन्द्र कसवां, मास्टर प्रवेश श्योराण, कुलदीप स्वामी, शशि जैन, रिंकू प्रजापत, मास्टर राजेश वर्मा, एसएसजे फाउंडेशन से अनिल जोशी, शहीद भगत सिंह कल्याण समिति प्रधान जगदीश जायलवाल ने अपना योगदान दिया।

गर्मी व हीट वेव से बचाव के लिए लोग जरूर बरतें एहतियात : डॉ. नैन, दोपहर 12 से सायं 03 बजे के बीच धूप में सीधे न जाए

हरियाणा वाटिका/दीपक माहेश्वरी

तोशाम, 14 जून। एसडीएम डॉ. अशवीर सिंह नैन ने कहा कि आमजन को गर्मी के मौसम के मद्देनजर हवा के गर्म थपेड़ों और बढ़े हुए तापमान से लू व हीट वेव का खतरा बढ़ रहा है, खासकर धूप में घूमने वालों, खिलाडियों, पढने वाले बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को लू लगने का डर ज्यादा रहता है। लू लगने पर उसके इलाज से बेहतर है, हम सब लू से बचे रहें। यानी हीट वेव से बचाव इलाज से बेहतर है।

एसडीएम डॉ. नैन ने आमजन से आह्वान करते हुए कहा कि हीट वेव से बचाव के लिए स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, समाचार पत्र पढ़ें, गर्मी में हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें, अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें,

पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं...

भले ही प्यास न लगी हो, ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का भरपूर सेवन कर तरोताजा रहें। बच्चों को वाहनों में अकेले छोडकर न जाएं उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है, नंगे पांव बाहर न जाने दें, गर्मी से राहत के लिए हाथ का पंखा अपने पास जरूर रखें, काम के बीच में थोड़ा-थोड़ा विश्राम लें, खेत व खलीहान में काम कर रहे हैं, तो समय-समय पर पेड़ या छाया में आसरा अवश्य लें। गर्मी के मौसम में जंक फूड का सेवन कतई ना करें। ताजे फल, सलाद तथा हरी सब्जिया और घर में बना खाना खाएं। खासतौर से दोपहर 12 बजे से सायं 03 बजे के बीच धूप में सीधे न जाए। यदि बच्चे को चक्कर आए, उल्टी घबराहट अथवा तेज सिरदर्द हो, सीने में दर्द हो अथवा सांस लेने में कठिनाई हो तो तुरंत चिकित्सक को दिखाएं और उनके परामर्श से ही उन्हें खाने पीने की वस्तुएं दें।

एसडीएम डॉ. नैन ने बताया कि बढ़ती गर्मी में वृद्ध एवं कमजोर व्यक्तियों की खास देखभाल करें, तेज गर्मी, खासतौर से जब वे अकेले हों, तो कम से कम दिन में दो बार उनकी जांच करें, ध्यान रहे कि उनके पास फोन हो, यदि वे गर्मी से बैचेनी महसूस कर रहे हों तो उन्हें ठंडक देने का प्रयास करें, उनके शरीर को गीला रखें, उन्हें नहलाएं अथवा उनकी गर्दन तथा बगलों में गीला तौलिया रखें,उनके शरीर को ठंडक देने के साथ साथ डॉक्टर अथवा एम्बुलेंस को बुलाएं, उन्हें अपने पास हमेशा पानी की बोतल रखने के लिए कहें।

पशु पालन एवं डेयरी विभाग के उपमंडल अधिकारी डॉ. सुनील शर्मा ने बताया कि पालतू जानवरों को छाया में रखें और उन्हें पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें, उन्हें घर के भीतर रखें, पीने के पानी के दो बाउल रखें। ताकि एक में पानी खत्म होने पर दूसरे से वे पानी पी सकें, यदि उन्हें घर के भीतर रखा जाना संभव न हो तो उन्हें किसी छायादार स्थान में रखें, जहां वे आराम कर सकें। ध्यान रखें कि जहां उन्हें रखा जाए वहां दिनभर छाया रहे, अपने पालतू जानवर का खाना धूप में न रखें, जानवरों को किसी बंद जगह में न रखें, यदि आपके पास कुत्ता है तो उसे गर्मी में न टहलाएं, उन्हें सुबह और शाम को घुमाएं जब मौसम ठंडा हो, कुत्ते को गर्म सतह (पटरी, तारकोल की सडक, गर्म रेत) पर न टहलाएं, किसी भी स्थिति में जानवर को वाहन में न छोड़ें।

एईएसएल फरीदाबाद की अविका ने नीट यूजी 2025 में हासिल की एआईआर 5

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

फरीदाबाद, 14 जून। देश की प्रमुख टेस्ट प्रिपरेशन संस्था आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने आज गर्वपूर्वक घोषणा की कि फरीदाबाद की अविका अग्रवाल ने नीट यूजी 2025 परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 5 प्राप्त कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह असाधारण सफलता अविका की प्रतिबद्धता, शैक्षणिक अनुशासन और एईएसएल द्वारा प्रदान की गई विश्वस्तरीय कोचिंग व मार्गदर्शन का परिणाम है। यह परीक्षा परिणाम आज नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा घोषित किए गए। अविका एईएसएल के क्लासरूम प्रोग्राम की छात्रा रही हैं, जिसे विशेष रूप से नीट जैसी कठिन और प्रतिस्पर्धी मेडिकल प्रवेश परीक्षा के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय एईएसएल द्वारा दी गई मजबूत शैक्षणिक नींव, संकल्पनाओं की स्पष्टता और अनुशासित व निरंतर अध्ययन पद्धति को दिया।

अपनी उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए अविका ने कहा, मैं आकाश की बहुत आभारी हूं। इस पूरी यात्रा में मुझे जो मार्गदर्शन, सुव्यवस्थित स्टडी मैटेरियल, विशेषज्ञ शिक्षकों का सहयोग और व्यक्तिगत मेंटरिंग मिली, उसने जटिल विषयों को समझने और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा देने में मेरी बेहद मदद की। एईएसएल के बिना यह सफलता संभव नहीं थी।

एईएसएल के चीफ अकादमिक व बिजनेस हेड डॉ. यश पाल ने अविका सहित सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा, नीट यूजी 2025 में हमारे छात्रों की शानदार सफलता पर हमें बेहद गर्व है। यह परीक्षा पूरे देश से लाखों छात्रों की भागीदारी के साथ होती है और उसमें टॉप रैंक हासिल करना निश्चित ही कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। इन सफलताओं के पीछे न केवल छात्रों की मेहनत बल्कि उनके माता-पिता का सहयोग और हमारे शिक्षकों की प्रतिबद्धता भी है। हम अविका को उनके उज्ज्वल चिकित्सा करियर के लिए ढेरों शुभकामनाएं देते हैं।

शांतनु मर्डर मामले में आरोपियों को जल्द किया जाएगा गिरफ्तार: डीएसपी

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 14 जून। शाहबाद में शांतनु मर्डर मामले में आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस की करीब 7 कई टीमें आरोपियों की तलाश में लगाई गई हैं। जानकारी देते हुए उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सुनील कुमार ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 8 बजे पुलिस को सूचना मिली कि दिल्ली-चंडीगढ़ नैशनल हाईवे-44 पर मारकंडा पुल के पास स्तिथ मीना मार्केट के पास एक व्यक्ति पर गोली चलाई गई हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौका पर पहुंची। पुलिस ने मौका पर पहुंचकर घायल को आदेश मैडिकल हस्पताल पहुंचाया जहां पर डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान मूल रुप से वासी हाल वासी शाहबाद शराब कारोबारी शांतनु के रुप में हुई। पुलिस की सीन आफ क्राईम टीम ने मौका पर पहुंचकर छानबीन की। आरोपी अपनी मोटरसाइकिल छोड़कर नेशनल हाईवे की दूसरी तरफ भागे। आरोपियों ने एक राहगीर से हथियार की नोक पर मोटर साईकिल छीनी और फरार हो गए।

अनुसूचित जाति वर्ग के हित भाजपा सरकार में ही सुरक्षित हैं : बड़गुजर

पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति को योजनाओं का लाभ देना भाजपा सरकार का मुख्य उद्देश्य: कटारिया

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 14 जून। हरियाणा अनुसूचित आयोग के तत्वाधान में स्थानीय पंचायत भवन में हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें अनुसूचित जाति आयोग के उपाध्यक्ष विजेंद्र बडगुजर और केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल के चीफ मीडिया कोऑर्डिनेटर सुदेश कटारिया मुख्य रूप से शामिल हुए। इस दौरान श्री बडगुजर और श्री कटारिया ने कार्यक्रम में पहुंचे नागरिकों की समस्याएं भी सुनी और उनके हरसंभव समाधान का आश्वासन दिया।

अनुसूचित जाति आयोग के उपाध्यक्ष श्री बडगुजर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान की बदौलत ही हमें समान रूप से अधिकार मिले हैं। भारतीय संविधान में हमें समान रूप का दर्जा मिला है जो कि बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की देन है। उन्होंने कहा कि एससी वर्ग के हितों की रक्षा के लिए ही भाजपा सरकार ने हरियाणा में अनुसूचित जाति आयोग का गठन किया है। यह एक तरह से भारतीय संविधान का सम्मान है। उन्होंने कहा कि पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना केंद्र और हरियाणा सरकार का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों के हितों पर आंच नहीं आने दी जाएगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री कटारिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने ही वास्तव में संविधान निमार्ता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को सही मायने में सम्मान देने का काम किया है। देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से बाबा साहब को भाजपा ने ही नवाजा है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान में अधिकारों की रक्षा को लेकर किए गए प्रावधान के अनुरूप ही केंद्र और प्रदेश सरकार एससी वर्ग के हितों के लिए कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा प्रदेश में बिना खर्ची और बिना पर्ची के पारदर्शित और योग्यता के आधार पर युवाओं को नौकरी देकर एक व्यवस्था बदलने का काम किया है इससे गरीबों से गरीब घरों के बच्चे उच्च पदों पर जा रहे हैं। इससे युवाओं में एक नया जोश और एक नई सोच पैदा हुई है।

कार्यक्रम को प्रोफेसर रविकांत नागर, सत्यदेव शर्मा और अनिल महम ने भी संबोधित किया। संत मंगलानंद ने अपने संबोधन के माध्यम से युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से बचाने का आह्वान किया। राजू मेहरा ने दादरी गेट पर शहर में डॉ अंबेडकर छात्रावास का निर्माण करवाने की बात की, जिसकी जमीन के लिए वर्षों पहले पैसे भी जमा करवाए जा चुके हैं।
कार्यक्रम का संचालन प्रो अश्विनी कुमार ने किया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सामाजिक संगठनों ने श्री कटारिया और श्री गुजर का फूल वालों से जोरदार स्वागत किया।

इस दौरान संत रहीम दास, दलवीर उमरा, मांगेराम तोंदवाल, एडवोकेट नरेंद्र कांटीवाल, कपूर सिंह, बलजीत दहिया, सुनील चोपड़ा सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और गण नागरिक मौजूद रहे।

जाट सभा कुरुक्षेत्र ने अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी अक्षिर सिंह कुश को किया सम्मानित

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 14 जून। जाट धर्मशाला कुरुक्षेत्र में जाट सभा के सदस्यों द्वारा स्के मार्शल आर्ट के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी अक्षिर सिंह कुश को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जाट सभा के प्रधान कृष्ण श्योकन्द और अन्य सदस्य मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि अक्षिर सिंह कुश पिछले दस वर्षों से स्के मार्शल आर्ट का अभ्यास कर रहे हैं और राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतियोगिताओं में भाग है लेकर पदक जीत चुके हैं। उन्होंने गत वर्ष ताशकन्द (उज्बेकिस्तान) में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विश्व स्के चैंपियनशिप में 5 से 8 नवम्बर 2024 को भाग लेकर रजत पदक जीता और देश का मान बढ़ाया था। इस महत्वपूर्ण और गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया व खेल मंत्रालय की सचिव सुजाता चतुवेर्दी ने उनको सम्मानित भी किया था।

श्री दक्ष प्रजापति जयंती पर प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम 13 को, सीएम होंगे मुख्यअतिथि : महाबीर मोखरा

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 14 जून। देश के महापुरूषों की शिक्षाओं व जीवन आदर्श को प्रत्येक जन तक पहुंचाकर उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए राष्ट्र की तरक्की में प्रत्येक जन की भूमिका सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार महापुरूषों की जयंती या पुण्यतिथि पर प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इसी कड़ी में 13 जुलाई को भिवानी श्री दक्ष प्रजापति जयंती पर प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए श्री दक्ष प्रजापति जयंती आयोजन कमेटी के सदस्य महाबीर मोखरा, मामनचंद प्रजापति व सतपाल ठेकेदार ने बताया कि 13 जुलाई को स्थानीय हुड्डा ग्राऊंड में आयोजित होने वाली जयंती समारोह में बतौर मुख्यअतिथि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शिरकत करेंगे तथा अध्यक्षता जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा करेंगे। इसके अलावा अन्य भाजपा नेता व मंत्रीगण भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम को और भी भव्य व सफल बनाने को लेकर 22 जून को स्थानीय मिनी बाईपास रोड़ स्थित विदाई गार्डन में एक मीटिंग का आयोजन किया जाएगा। जिसमें इस समारोह के लिए निमंत्रण अभियान चलाने व अन्य कार्यो की रूपरेखा तैयार करने पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

बारिश में नहरी पानी खुशहाली का आधार: डॉ अभय सिंह यादव

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
नांगल चौधरी, 14 जून। पूर्व सिंचाई मंत्री डा अभय सिंह यादव ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से बरसात के पानी के द्वारा भूमिगत जल के रिचार्ज के लिए अधिकतम प्रयास करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि वर्षा की ऋतु में लगभग तीन महीने की अवधि में मिलने वाला यह पानी इस क्षेत्र के लिए अमृत समान है। इसका अधिकतम दोहन करते हुए इसे सावधानीपूर्वक भूमिगत करने के प्रयास से ही यह इस पूरे क्षेत्र की खुशहाली का आधार बन रहा है । उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा पिछले 10 वर्ष की अवधि में संपूर्ण महेंद्रगढ़ जिले में एक ऐसी जल व्यवस्था स्थापित की गई है जिसके माध्यम से इस जिले के 80 प्रतिशत भू भाग में भूमिगत जल स्तर को पुनः जीवित करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है । हरियाणा सरकार का यह दृढ़ संकल्प ही इस असंभव काम को संभव कर पाया है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने जब 2014 में सत्ता संभाली थी तो यह क्षेत्र डार्क जोन के चरम पर पहुंच चुका था और शायद ही किसी ने यह कल्पना की होगी की भूमि का गया हुआ जल भी दोबारा लौट सकता है। परंतु सरकार के संकल्प ने इसे सिद्धि में प्रकट करके दिखाया और क्षेत्र के जलस्तर में अभूतपूर्व सुधार हुआ।
डा यादव ने कहा कि लिफ्ट सिंचाई सिस्टम के जीर्णोद्धार के पश्चात जब पानी उठाने की क्षमता उच्चतम स्तर पर पहुंची तो क्षेत्र को पर्याप्त पानी मिलने लगा परंतु इसके बावजूद भी उस समय नहर सिस्टम की न तो अधिक पानी ले जाने की क्षमता थी और न ही इस पानी को कहीं समायोजित करने का प्रावधान था । तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल जी की इस कार्य में व्यक्तिगत रुचि ने इन सभी समस्याओं का निदान सुगम बना दिया। जहां एक तरफ क्षेत्र की दोनों सूखी नदियों दोहान और कृष्णावती को समस्त जिले की सीमा में जगह जगह पर नहर से जुड़वाया वहीं दूसरी तरफ जिले के सभी जोहड़ों और तालाबों को नहर से सीधा जोड़ा गया है।

नेशनल लोक अदालत 12 जुलाई को : सीजेएम

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया
करनाल, 14 जून। सीजेएम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डॉ. इरम हसन ने बताया कि हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, हालसा के आदेशानुसार व जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार शारदा के मार्गदर्शन में 12 जुलाई को न्यायिक परिसर करनाल व सब-डिवीजन, इन्द्री, असंध व घरौंडा में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।
उन्होंने बताया कि लोक अदालत में आम नागरिक आपसी सुलह व समझौते के आधार पर स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से अपने लंबित मुकदमों का निपटारा करा सकते है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक लोन, मोटर दुर्घटना अधिनियम, फौजदारी, दिवानी, चालान, वैवाहिक एवं पारिवारिक मुकदमों इत्यादि का निपटारा किया जाएगा। न्यायालय में लंबित मुकदमों को परस्पर सहयोग व सौहार्दपूर्ण माध्यम से निपटाने के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। लोक अदालत के माध्यम से निपटाए गए मुकदमों की कोई अपील नहीं होती। लोक अदालत के माध्यम से फैसला होने से धन व समय की बचत होती है और भाईचारे की भावना को बढ़ावा मिलता है। यदि किसी व्यक्ति का कोई मामला न्यायालय में लंबित है तो राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से उसका निपटारा किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नं0 184-2266138 पर संपर्क किया जा सकता है।

शहरवासी रहें सावधान, साइबर अपराधियों से

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया
करनाल, 14 जून। नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने आमजन को जागरूक करने के लिए बताया कि साईबर अपराधियों द्वारा फोन करके शहरवासियों से सीवरेज व जलापूर्ति के बिल की राशि जमा करने की मांग की जा रही है। नागरिकों को सम्पर्क नम्बर 9242029307 या अन्य किसी नम्बर से फोन कर बिल की राशि व बार कोड वाले बिल की मांग की जा रही है। उन्होंने स्पष्टद्द किया कि यह फोन नगर निगम द्वारा नहीं किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि नगर निगम की टीम द्वारा घर-घर जाकर बिल बांटे जाते हैं या एस.एम.एस. के माध्यम से सम्बंधित व्यक्ति के पास बिल की राशि भेजी जाती है। इस राशि को नागरिक नगर निगम के नागरिक सुविधा केन्द्र (सी.एफ.सी.) पर कैश भुगतान कर या ऑनलाई डॉट यूएलबी हरियाणा डॉट जीओवी डॉट इन पोर्टल पर जाकर ऑनलाईन पेमेंट कर सकते हैं।

भाजपा सरकार ने किया युवाओं पर फिर से कुठाराघात : आदित्य सुरजेवाला

आदित्य बोले : यूनिवर्सिटी हिसार में गांव देवीगढ़(कैथल) के युवाओं की दाखिलों में प्राथमिकता खत्म करना भाजपा सरकार की तानाशाही का है प्रमाण

हरियाणा वाटिका/विकास कुमार
कैथल, 14 जून। कैथल से कांग्रेस विधायक आदित्य सुरजेवाला ने भाजपा सरकार पर युवा विरोधी सरकार होने का आरोप लगाया। कैथल से एक बयान जारी करते आदित्य सुरजेवाला ने कहा कि गाँव देवीगढ़ पंचायत(कैथल) ने 1991 में ऌअव का कृर्षि विज्ञान केंद्र को 50 एकड़ जमीन अनुदान में दी थी। जिसका राज्यपाल के हस्ताक्षर के साथ टडव (टीङ्क१ल्लर्४ि ङ्का वल्ला१२३ल्लर्ल्लि) हुए था। लेकिन अब यूनिवर्सिटी ने वो रिजर्वेशन खत्म कर दिया।
आदित्य सुरजेवाला ने कहा कि टडव के आधार पर सरकार ने अनुबंध किया था कि गांव के युवाओं को कृषि विज्ञान केंद्र में ग्रुप सी व डी की नौकरियां मिलेगी। एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी हिसार में बीएससी, एमएससी व पीएचडी करने के लिए प्राथमिकता दी जाएगी। कृषि विज्ञान केंद्र के लिए कोई ठेका जारी होता है तो वह भी देवीगढ़ निवासियों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि अब यूनिवर्सिटी ने एमएससी व पीएचडी में मिलने वाली प्राथमिकता बिना कोई कारण बताए समाप्त कर दिया गया।

आदित्य सुरजेवाला ने मुख्यमंत्री नायब सैनी व भाजपा सरकार से पूछा कि आखिर क्यों युवाओं के हितों व अधिकारों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है? क्या सरकार द्वारा किया गया अनुबंध ग्रामीणों व युवाओं के साथ धोखा नहीं है?
उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की तरफ से हमारी मांग है कि तुरंत प्रभाव से इस तानाशाही फैसले को वापिस लिया जाए! अन्यथा कांग्रेस पार्टी जन आंदोलन करेगी।
गौरतलब है कि हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी हिसार (ऌअव) के विरोध में ग्रामीणों ने कैथल के कृषि विज्ञान केंद्र को ताला जड़ दिया और नारे लगाकर प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों ने मांग की है कि कैथल के गाँव देवीगढ़ और ऌअव के साथ जो अनुबंध हुआ था, उससे अब यूनिवर्सिटी प्रशासन मुकरता नजर आ रहा है। इसके विरोध में ग्रामीणों ने कहा है कि या तो मांगे माने या फिर जमीन वापस की जाए।

सरकार को उत्सव मनाने की बजाए बिगड़ती कानून व्यवस्था की ओर देना चाहिए ध्यान : अशोक अरोड़ा

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 14 जून। थानेसर विधायक एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक अरोड़ा ने गत रात्रि शाहबाद में शराब ठेकेदार की गुंडों द्वारा सरेआम गोली मारकर हत्या किए जाने पर दुख प्रकट करते हुए कहा कि आज प्रदेश में कानून व्यवस्था का दीवाला पिट चुका है। प्रतिदिन प्रदेश में लूट, हत्या, चोरी, डकैती, छीना-झपटी होना आम बात हो गई है। अरोड़ा अपने निवास स्थान पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस अवसर पर उनके साथ मनु जैन तथा कांग्रेस नेता सौरभ गर्ग भी मौजूद रहे। विधायक अरोड़ा ने कहा कि आज प्रदेश में व्यापारियों से फिरौती मांगी जा रही है। आईलेट्स सैंटरों पर गोलियां दागी जा रही है। गुंडो के हौंसले बुलंद है, जो व्यापारी फिरौती नहीं देता उसकी हत्या कर दी जाती है। जिस पुलिस को लोगों की सुरक्षा करनी चाहिए वह वीआईपी सुरक्षा में लगी रहती है। सरकार उत्सव मनाने में लगी हुई है, जनता परेशान है। उत्सव मनाने में निर्धारित रूट से हटाकर सरकारी बसों का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे जनता को भारी परेशानी होती है। पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा ने प्रदेश सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि सरकार को उत्सव मनाने की बजाय प्रदेश की बिगड़ी कानून व्यवस्था की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। जनता के जान-माल की रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था के कारण कोई भी निवेशक हरियाणा में निवेश करने नहीं आ रहा है।

रैडक्रॉस भवन में रक्तदान शिविर में 74 युवाओं ने किया रक्तदान

रक्तदान के माध्यम से किसी का जीवन बचाना सबसे बड़ा उपहार : एसडीएम मनोज दलाल

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 14 जून। उपायुक्त एवं रेडक्रॉस अध्यक्ष महावीर कौशिक के मार्गदर्शन एवं भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ के निदेर्शानुसार विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर स्थानीय रैडक्रॉस भवन में आयोजित रक्तदान शिविर ने सेवा, समर्पण और मानवीयता की मिसाल पेश की। शिविर में सैकड़ो युवाओं ने अपनी भागीदारी दर्ज करवाई, जिसमे 74 युवाओं ने रक्तदान करते हुए यह स्पष्ट कर दिया कि नई पीढ़ी ना केवल अपने अधिकारों को जानती है, बल्कि कर्तव्यों के निर्वहन में भी पीछे नहीं है।

शिविर का शुभारंभ लोहारू के एसडीएम मनोज दलाल ने किया तथा अध्यक्षता जिला रैडक्रॉस के सचिव प्रदीप कुमार ने की। इस दौरान उन्होंने रक्तदाताओं को बैज लगाकर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही उन्होंने उपस्थित सभी रक्तदान मुहिम से जुड़ते हुए नियमित तौर पर रक्तदान करने की शपथ भी दिलाई। युवाओं ने हाथ उठाकर प्रतिज्ञा ली कि भारत मे रक्त की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए अपने परिवार, दोस्तों, रिश्तेदारों, सहयोगियों और जनता को नियमित, रक्तदान की सेवा के बारे में जागरूक करूंगा। कार्यक्रम के दौरान नियमित तौर रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं व सामाजिक संगठनों को भी स्मृति चिह्न व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर एसडीएम मनोज दलाल ने कहा कि एक यूनिट रक्त से तीन जिंदगियों को बचाया जा सकता है। यह सबसे बड़ा उपहार है जो कोई इंसान दूसरे इंसान को दे सकता है।

उन्होंने कहा कि रक्तदान का छोटा सा योगदान किसी के लिए पूरी जिंदगी बन सकता है। उन्होंने कहा कि समाज में रक्तदाताओं अपनी भूमिका निभाने के साथ आने वाली पीढियों को भी प्रेरणा दे रहे हैं।

इस मौके पर भिवानी रैडक्रॉस के सचिव प्रदीप कुमार ने कहा कि यह शिविर केवल एक रक्तदान कार्यक्रम नहीं था, बल्कि एक सामाजिक चेतना का प्रतीक था। उन्होंने सभी युवाओं से अपील की कि वे सिर्फ अवसर विशेष पर नहीं, बल्कि एक नियमित आदत के रूप में रक्तदान करें। उन्होंने कहा कि रक्तदान के प्रति युवाओं की बढ़ती भागीदारी इस बात का संकेत है कि आने वाला भविष्य न केवल जागरूक है, बल्कि दूसरों की भलाई के लिए कृतसंकल्प भी है।

जननायक जनता पार्टी का सदस्यता अभियान आज से : कुलदीप जखवाला

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 14 जून। जननायक जनता पार्टी के कुरुक्षेत्र जिला अध्यक्ष कुलदीप जखवाला ने बताया कि 15 जून से जननायक जनता पार्टी सदस्यता अभियान चलाएगी। डॉक्टर अजय सिंह चौटाला व पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के निदेर्शानुसार 15 जून 2025 से पार्टी नए और मजबूत साथियों को जोड़ने का काम करेगी जिसमें हर हल्के वाइज मीटिंग की जाएगी व नए साथियों को और मजबूत साथियों को जोड़ा जाएगा और पार्टी को मजबूत किया जाएगा। इसी कड़ी में 15 जून से कुरुक्षेत्र के चारों हल्का की मीटिंग ली जाएगी जिसमें कमेटी के अध्यक्ष मोहसिन चौधरी व पूर्व विधायक रमेश खटक कार्यकताओं से मुलाकात करेंगे। जिला प्रवक्ता शेखर डोगरा ने बताया कि बैठक में जिले भर से पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, युवा नेता, महिला विंग और वार्ड स्तर के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में भाग लेंगे। जेजेपी के सदस्यता अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह बैठक मील का पत्थर मानी जा रही है। प्रदेश में पार्टी के जनाधार को और मजबूत करने हेतु सभी सभी कार्यकर्ता मेहनत कर रहे हैं और इस बैठक से पार्टी को नई ऊर्जा मिलेगे।

रक्त का कोई जात और धर्म अपितु यह मानवता का प्रतीक : कुलपति

विश्व रक्तदाता दिवस पर 25 लोगों ने किया रक्तदान

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 14 जून। विश्व रक्तदाता दिवस पर श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में 545वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया गया। आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.वैद्य करतार सिंह धीमान ने रक्तदाताओं को बैज लगा कर प्रोत्साहित करते हुए कहा कि रक्तदान न केवल जीवन बचाने का कार्य है, बल्कि यह सामाजिक समरसता और मानवता का प्रतीक भी है। रक्त की कोई जात, धर्म या मजहब नहीं होता। यह महादान हमें भेदभाव मिटाने का संदेश देता है और एकजुटता की भावना को मजबूत करता है। यह शिविर सर्वोच्च रक्तदाता डॉ. अशोक कुमार वर्मा द्वारा लगाया गया। शिविर में कुलसचिव प्रो. ब्रिजेंद्र सिंह तोमर, अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक प्रो. राजेंद्र सिंह, डॉ. कुलजीत कौर, डॉ. मगेश राजामणि, समाजसेवी नरेश सैनी, भारतेन्दु हरीश, स्टार रक्तदाता प्रशांत कुमार, केयू से सेवानिवृत्त सहायक कुलसचिव देवेंद्र सचदेवा सहित गणमान्य मौजूद रहे। कुलसचिव ने कहा कि रक्तदान एक ऐसा कार्य है जो न केवल किसी की जान बचाता है, बल्कि समाज में सहयोग, समर्पण और सेवा की भावना को भी मजबूत करता है। चिकित्सा अधीक्षक ने कहा कि जब हम रक्तदान करते हैं,तो हम एक अनजान जरूरतमंद के जीवन में आशा की किरण बनते हैं। डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि विश्व रक्तदाता दिवस पर विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य ही नहीं, बल्कि शहर से आए महादानियों ने रक्तदान किया है। शिविर में वैशाली और कमलेश समेत 25 लोगों ने रक्तदान किया। खास बात ये रही कि गांव फतुपुर निवासी हरविंद्र ने 51वीं बार, सेक्टर-5 निवासी कपिल अग्रवाल ने 28वीं बार रक्तदान किया। इनके अलावा डॉ. कृष्ण कुमार ने अपने बेटे प्रमोद कुमार के साथ रक्तदान किया। वहीं, डॉ. अरुण कुमार धीमान ने अपनी पुत्री अंशी के जन्म दिन पर 28वीं बार, डॉ. सुभाष, लक्ष्य, सतपाल, प्रवीन, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. आशीष नांदल, डॉ. जोरावर सिंह, संजीव कुमार, अनुराग, डॉ. नवीन कुमार, जगदीप, हरविंद्र यादव, जसजोत, मोहित खैरा,गौरव कुमार, देवीचरण, सुरेश पाल, डॉ. विनोद भुक्कल समेत अन्य ने रक्तदान किया।

योग प्रोटोकॉल रिहर्सल के तहत अधिकारियों, कर्मचारियों व आमजन को करवाया योगाभ्यास

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
महेंद्रगढ़, 13 जून। एसडीएम अनिल कुमार यादव के निर्देशानुसार आयुष विभाग द्वारा योग प्रोटोकॉल रिहर्सल के दूसरे दिन शुक्रवार को स्थानीय हुडा पार्क में योगाभ्यास किए गए। आयुष विभाग के योग सहायकों ने योग शिविर कार्यक्रम आयोजित कर योग व्यायाम करवाया।

नोडल अधिकारी डॉ सुमन ने जीवनशैली विकारों को रोकने और तनाव प्रबंधन में योग अभ्यास के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन में भी सहायक है।

डॉ. सुमन ने सभी से नियमित योग अभ्यास करने का आग्रह किया और कहा कि इससे हम अपने जीवन को स्वस्थ और संतुलित बना सकते हैं। आयुष विभाग रेवाड़ी द्वारा आयोजित इस श्रृंखला का उद्देश्य लोगों को योग के महत्व और इसके स्वास्थ्य लाभों के प्रति जागरूक करना है।

15 जून को सुबह 6 बजे मैराथन में दौड़ लगाकर हजारों युवा देंगे नियमित रूप से योग करने का संदेश: सीटीएम,

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 14 जून। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में 15 जून को सुबह छह बजे स्थानीय भीम खेल परिसर में योग मैराथन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हजारों युवा दौड़ लगाकर नियमित योग करने का संदेश देंगे।

सीटीएम अनिल कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को जिला मुख्यालय पर भीम खेल परिसर में तथा जिले के प्रत्येक उप मंडल और ब्लॉक स्तर पर योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा सभी धर्म गुरुओं से भी उनके मंदिर या आश्रम परिसर में योग दिवस पर योगासन कार्यक्रम आयोजन करने की अपील की गई है।

न्यूज फ्लैश

वीआईपी संस्कृति सनातन धर्म में पथभ्रष्टता : महंत विशाल दास

हरियाणा वाटिका/एकजोत

शाहाबाद मारकंडा, 14 जून। श्रीमद देवी भगवती बाला सुंदरी मंदिर में सनातन धर्म समाज के चतुर्थ स्थापना दिवस पर धर्म चर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन गुदगुदी जंक्शन समूह द्वारा किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में संत व धर्म प्रेमी शामिल हुए। मुख्य वक्ता महंत विशाल दास ने मंदिरों में व्याप्त वीआईपी संस्कृति को सनातन धर्म की पथभ्रष्टता करार दिया। उन्होंने कहा कि मंदिरों में वीआईपी दर्शन बंद होने चाहिए क्योंकि इससे आम श्रद्धालु उपेक्षित होते हैं और धार्मिक स्थलों से दूरी बढ़ती है। महंत जनार्दन दास ने लिव-इन रिलेशनशिप को भारतीय संस्कृति के लिए खतरा बताया। उन्होंने कहा कि इससे सामाजिक अस्थिरता, भावनात्मक असुरक्षा और पारिवारिक ताना-बाना कमजोर हो रहा है। अन्य वक्ताओं साध्वी शशि चतुर्वेदी, संत नित्य आनंद पुरी, महंत विजय दास, महंत गोविंद दास ने धर्म परिवर्तन, लव जेहाद और गोहत्या जैसे विषयों पर चिंता जताते हुए सनातनियों से एकजुट रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में राजेश शर्मा (विहिप) ने हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ को संस्कार निर्माण का माध्यम बताया। आयोजन में मंच संचालन जितेंद्र बंसल, अध्यक्षता चन्द्रमौलि गौड़ और संयोजन कुलवंत शर्मा व डॉ. देवराज शर्मा ने किया। अंत में आरती के बाद सभी संतों को श्रीफल व दोशाला देकर सम्मानित किया गया। उपस्थित जनों में जयपाल शास्त्री, असीम राष्ट्रवादी, अमृत लाल पार्षद समेत अनेक गणमान्य शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान ह्यजय श्रीरामह्ल और ह्यहर हर महादेवह्ल के जयघोष गूंजते रहे।

सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक करें आवेदन : उत्तम सिंह

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया

करनाल, 14 जून। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कारों के लिए ऑनलाइन नामांकन करने के लिए 31 जुलाई, 2025 तक आवेदन किए जा सकते हैं। इन पुरस्कारों में पद्म विभूषण, पद्म भूषण व पद्मश्री पुरस्कार शामिल हैं।

उपायुक्त ने बताया कि इन राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए नामांकन अथवा अनुशंसा केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल अवार्ड.जीओवी.इन पर ऑनलाइन ही स्वीकार की जाएंगी। नामांकन करने वाले व्यक्ति अधिकतम 800 शब्द का एक व्याख्यात्मक प्रशस्ति-पत्र जिसमें अनुशंसित व्यक्ति की संबंधित क्षेत्र/विषय में विशिष्ट और अन्य उपलब्धियों/सेवाओं का स्पष्ट उल्लेख किया गया हो, प्रस्तुत करें। उन्होंने बताया कि कि पद्म पुरस्कार, अर्थात पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री, देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से हैं। वर्ष 1954 में स्थापित इन पुरस्कारों की घोषणा हर वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। यह पुरस्कार कला, साहित्य और शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान और इंजीनियरिंग, सार्वजनिक कार्य, नागरिक सेवाओं, व्यापार और उद्योग जैसे सभी क्षेत्रों/विषयों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों/सेवाओं के लिए उत्कृष्ट-कार्य को मान्यता प्रदान करने के लिए प्रदान किए जाते हैं। जाति, व्यवसाय, पद या लैंगिक भेदभाव के बिना सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं। डॉक्टर और वैज्ञानिकों को छोडकर सार्वजनिक उपक्रमों में काम करने वाले सरकारी कर्मचारी पद्म पुरस्कार के लिए पात्र नहीं हैं। इस संबंध में और अधिक विवरण वेबसाइट पदमा अवार्ड.जीओवी.इन पर उपलब्ध है।

जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज में योगा प्रोटोकॉल का हुआ आयोजन

हरियाणा वाटिका/नीतीश जोगी

रादौर, 14 जून। जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज रादौर में 11 वे अंतराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन हेतु योगा प्रोटोकॉल का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न प्रकार के आवश्यक सूक्ष्म व्यायाम, आसन व प्राणायाम जैसे कि ताड़ासन, भुजंगासन, अनुलोम विलोम, कपालभाति, आकाश मुद्रा आदि कराए गए। इस अवसर पर एएमओ पीएचसी अलाहर डॉ. अजय सिंह व जय कुमार ने इनके लाभ और महत्व के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। कॉलेज के निदेशक डॉ. एसके गर्ग ने बताया कि योग को जीवन में अपनाकर सभी शरीर को स्वस्थ और निरोगी बनाए रख सकते हैं। इस अवसर पर रजिस्ट्रार अंकुश सिंगला, डॉ उमेश सिंह, डॉ विकास भारद्वाज, डॉ पंकज, डॉ ऋषि, सोनिया, संवेदना, गुलशन आदि ने आयोजित योगा प्रोटोकॉल में भाग लिया।

हकृवि छात्रों के धरने को सर्व कर्मचारी संघ ने दिया समर्थन

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 14 जून। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा दिए जा रहे धरने को सर्व कर्मचारी संघ ने अपना समर्थन दिया है। सर्व कर्मचारी संघ जिला हिसार के वरिष्ठ उपप्रधान नरेश गौतम, जिला सह सचिव अशोक सैनी व हिसार ब्लॉक के प्रधान ओम प्रकाश माल शनिवार को विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 पर छात्रों द्वारा चलाए जा रहे धरने को समर्थन देने पहुंचे। धरनारत छात्रों को संबोधित करते हुए सर्व कर्मचारी संघ के नेताओं ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा लोकतांत्रिक तरीके से अपने हकों की आवाज उठाने वाले छात्रों पर बर्बरतापूर्वक लाठीचार्ज अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि सर्व कर्मचारी संघ छात्रों के साथ है। उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार और इनके चहेते प्रशासनिक अधिकारी तानाशाही दिखा रहे हैं। अपने हकों की आवाज उठाने वाले किसी भी वर्ग की बात सुनना उनको पसंद नहीं है। उनका केवल एक ही उद्देश्य है दमनकारी नीति अपना कर पीड़ितों की आवाज को दबाना। कर्मचारी नेताओं ने हैरानी प्रकट करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के पास करोड़ों का बजट उपलब्ध रहता है, इसके बावजूद छात्रों को मिलती आ रही छात्रवृति को कम किया जा रहा है। इसके लिए जब छात्रों ने अपनी बात रखनी चाही तो कुलपति ने उनकी बात सुनने की बजाय लाठी के सहारे उनकी आवाज को दबाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि सिक्योरिटी गार्डों ने छात्रों पर बुरी तरह लाठीचार्ज किया। उससे भी ज्यादा शर्मनाक बात यह है कि एक प्रोफेसर द्वारा अपने हाथों से निहत्थे छात्रों पर लाठियां बरसाई गई। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि सर्व कर्मचारी संघ मांग करता है कि छात्रों पर लाठीचार्ज को लेकर जिनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हो चुकी है उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाए व छात्रों की मांगों को पूरा किया जाए अन्यथा सर्व कर्मचारी संघ जल्द ही निर्णय लेकर जिला के लगभग 25000 सदस्यों को इस आंदोलन में शामिल करने का काम करेगा, जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी जिला प्रशासन व विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी।

विधायक चंद्रप्रकाश ने छात्र-छात्राओं की लाइब्रेरी का किया उदघाटन

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 14 जून। विधायक चंद्रप्रकाश ने गांव फ्रांसी में लडकों व लड़कियों की दो लाइब्रेरी का उदघाटन किया और इन लाइब्रेरी में आधारभूत साधन उपलब्ध करवाए। उन्होंने कुर्सियां, मेज, सीलिंग फैन, एग्जास्ट फैन, स्टेबलाइजर व पर्दे आदि भेंट किए। ग्रामवासियों ने विधायक चंद्रप्रकाश का जोरदार स्वागत किया और लाइब्रेरी में एक हॉल कमरे का निर्माण करवाने की अपील की।

गांववासियों की मांग को देखते हुए चंद्रप्रकाश ने इस निर्माण कार्य को जल्द शुरू करवाने के लिए आश्वस्त किया। गांव फ्रांसी में ही राष्ट्रीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों व किसानों ने चंद्रप्रकाश से मुलाकात करके अपनी मांगों संबंधी ज्ञापन दिया। राष्ट्रीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष चौ. सतबीर सिंह व अन्य सदस्यों ने बताया कि आदमपुर में डीएपी खाद उपलब्ध नहीं है। इसलिए किसानों को पर्याप्त डीएपी खाद उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में धान की बिजाई करनी है। इसके लिए नहरों में कम से कम 15 दिन पानी अवश्य आना चाहिए। किसानों ने स्पष्ट किया कि पानी की कमी के कारण पिछले कुछ समय में नरमा की बिजाई भी नहीं हो सकी।

विधायक चंद्रप्रकाश ने किसानों के ज्ञापन पर संज्ञान लेते हुए कहा कि वे किसानों को डीएपी खाद व पर्याप्त मात्रा में सिंचाई का पानी उपलब्ध करवाने के लिए प्रयासरत हैं। इसलिए उन्होंने किसानों की मांग को विधानसभा के सत्र में भी उठाया था। यदि आवश्यकता हुई तो दोबारा से विधानसभा में किसानों व आदमपुर के हक की आवाज उठाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि समुचित शिक्षा से जहां हमारे युवा निरंतर आगे बढ़ सकते हैं, वहीं बढिया खेती-किसानी से ही हमारे गांव खुशहाल हो सकते हैं। इसलिए वे युवाओं को शिक्षा के लिए हरसंभव साधन उपलब्ध करवाने के लिए प्रयासरत हैं।

उन्होंने कहा कि आदमपुर हलके की 36 बिरादरी के सहयोग व समर्थन के कारण ही उन्हें जनप्रतिनिधि बनने का अवसर मिला है। जो विश्वास हलकावासियों ने जताया है वे उसे बरकरार रखते हुए हलके के विकास के लिए जी जान से प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने कहा कि वे आदमपुरवासियों के लिए 24 घंटे उपलब्ध हैं। विधायक चंद्रप्रकाश ने लाइब्रेरी के उदघाटन के उपरांत फ्रांसी, जगाण, खासा, सारंगपुर, खैरमपुर, सदलपुर, सीसवाल, मोहब्बतपुर, डोभी व गांव आदमपुर में सुख-दुख में शामिल होकर शोक संतप्त परिवारों को ढाढस बंधाया। इस दौरान उनके साथ कई कांग्रेसी नेता, ग्रामवासी व कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

ब्लैकमेलिंग केस में पत्रकारों से पूछताछ-अवैध वसूली में पकड़ा गया था जितेंद्र श्योराण, कल पूरा होगा रिमांड

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 14 जून। हिसार संघर्ष समिति के प्रधान जितेंद्र श्योराण ने रिमांड के दौरान कई खुलासे किए हैं। मिली जानकारी के अनुसार श्योराण ने बताया कि वह अकेला ब्लैकमेलिंग नहीं करता था बल्कि यह पूरा गिरोह था जिसमें कई पत्रकार भी शामिल थे। पुलिस ने पत्रकारों को नोटिस भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया है। सीआईए पत्रकारों से पूछताछ कर रही है।

पुलिस पत्रकारों से अलग-अलग ढंग से पूछताछ कर रही है। इसके अलावा रिमांड के दौरान जितेंद्र श्योराण ने और भी जगहों से अवैध वसूली की बात कबूल की है। जानकारी के अनुसार तोशाम रोड स्थित कॉलोनाइजरों से भी लाखों रुपए वसूली की बात सामने आ रही है। हालांकि पुलिस इस मामले में कुछ भी नहीं बता रही है। पुलिस का कहना है कि अभी मामले की जांच की जा रही है। पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा रहा है। पुलिस इसके अलावा जितेंद्र श्योराण के बैंक खातों, कॉल डिटेल्स की भी जांच कर रही है। जितेंद्र श्योराण को कोर्ट ने शुक्रवार को 2 दिन के रिमांड पर भेजा था। कल रिमांड खत्म होने के बाद उसे कोर्ट में दोबारा पेश किया जाएगा। बताया जा रहा है तोशाम रोड पर एक कॉलोनी काटी जा रही है। जितेंद्र श्योराण ने कॉलोनाइजर की कमजोर कडि ियों का पता लगाया और दबाव बनाना शुरू कर दिया था। इस कॉलोनी में कई सफेदपोश नेता पार्टनर हिडन पार्टनर हैं। बताया जा रहा है कि कॉलोनाइजर ने बदनामी के डर से जितेंद्र श्योराण को बड़ी रकम अवैध वसूली में दी थी। इसके बाद मामला ऊपर तक पहुंचा था और जितेंद्र श्योराण पर नजर रखी जा रही है। इसके बाद तमस बार एंड रेस्टोरेंट मालिक से जब अवैध वसूली का प्रयास किया तो पुलिस ने नोटों के बंडल के साथ ही जितेंद्र श्योराण को दबोच लिया।

8 लाख रुपए कैश के साथ पकड़ा गया : 10 जून मंगलवार देर शाम पुलिस की सीआईए टीम ने पूर्व इनेलो नेता जितेंद्र श्योराण को 8 लाख रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। आरोप था कि उसने सेक्टर 9-11 स्थित तमस बार संचालक से अवैध कब्जों पर शिकायत वापस लेने व मुंह बंद रखने के लिए 50 लाख रुपए डिमांड की थी। सीआईए को जितेंद्र श्योराण के ऑफिस से 8 लाख रुपए की नकदी बरामद हुई थी। सीआईए की ओर से की गई कार्रवाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

बार संचालक पर दबाब बनाया, खबरें छपवाई : हिसार के सेक्टर 9-11 में तमस बार एवं होटल बना है। आरोप है कि इस बार की एंट्री एचएसवीपी की जमीन पर बनाई गई है। इसका पता चलने पर इनेलो नेता जितेंद्र श्योराण ने प्रदर्शन किया था और मीडिया में प्रेसनोट भी जारी किया था।

यहीं नहीं जितेंद्र श्योराण ने इस मामले में होटल मालिक के खिलाफ कार्रवाई के लिए हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण को शिकायत दी थी। उसने होटल संचालकों पर जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया था।

एचएसवीपी की ईओ ने निरीक्षण किया : इसके बाद एचएसवीपी की संपदा अधिकारी ने मौके का निरीक्षण किया था। सरकारी जमीन पर कब्जा करने के मामले में होटल मालिक को नोटिस भी दिया था और अतिक्रमण हटाने के लिए अल्टीमेटम दिया था। इसके बाद होटल संचालक ने मामला सुलझाने को जितेंद्र श्योराण से बात की थी। आखिर शिकायत वापस लेने कर एवज में जितेंद्र श्योराण ने होटल संचालक से 50 लाख रुपए की डिमांड की, ताकि कोई कार्रवाई न हो।

डील तय होने पर देने गए थे 8 लाख रुपए : इसके बाद मंगलवार शाम को जितेंद्र श्योराण की होटल संचालक से 8 लाख रुपए में डील तय हुई थी। प्रॉपर्टी डीलर राजबीर होटल संचालक साहिल अग्रवाल से 8 लाख रुपए लेकर मंगलवार रात करीब 10 बजे जितेंद्र श्योराण के घर सेक्टर 9-11 पहुंचा। राजबीर ने एक थैले में रुपए डाले हुए थे। जब राजबीर ने रुपयों से भरा थैला जितेंद्र श्योराण को थमाया तो उसी समयइंस्पेक्टर पवन टीम टीम मौके पर पहुंची और उसे अरेस्ट कर लिया।

समस्या: रादौर से कांजनू वाया अलाहर सडक मार्ग जगह जगह से टूटकर बिखरा

क्षेत्र के लोगों ने मार्केटिंग बोर्ड से टूटे पड़ी सडक नई बनाने की मांग, क्षेत्र के लोगों में विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर भारी रोष

हरियाणा वाटिका/नीतीश जोगी

रादौर, 14 जून। रादौर से वाया कांजनू से अलाहर सडक मार्ग जगह- जगह से टूटकर बिखरा पड़ा है। जिससे आसपास के गांव के हजारों लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। इस बारे बार बार मांग करने पर भी मार्केटिंग बोर्ड की ओर से टूटे पड़े सडक मार्ग की मुरम्मत तक नहीं करवाई जा रही है। जिससे क्षेत्र के लोगों में विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर भारी रोष है। लेकिन विभाग की ओर से टूटे पड़ी सडक की मरम्मत का कार्य करवाए जाने की बजाय गड्ढों में ईंटे डालकर खानापूर्ति की जा रही है। जिससे क्षेत्र के लोगों में विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर भारी रोष है। क्षेत्र निवासी बलिन्द्र जोगी,राजेश कुमार, रामकुमार, सुखदेव सिंह, प्रवेश कुमार, कमल कुमार, सुखबीर सिंह आदि ने बताया कि कांजनू से अलाहर तक का सडक मार्ग कुछ वर्षो पहले मार्केटिंग बोर्ड द्वारा बनाया गया था। लेकिन अब यह सडक मार्ग जगह जगह से टूटकर गड्ढो में बदल चुका है। जिस कारण सडक मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालको को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। बार बार मांग करने पर भी विभाग की ओर से उपरोक्त सडक मार्ग की मुरम्मत तक नहीं करवाई जा रही है। जिसका खामियाजा क्षेत्र के लोग भुगत रहे है। क्षेत्र के लोगों ने विभाग से टूटी सडक बनवाने की मांग की है।

विभाग की ओर से केवल सडक की मरम्मत ही करवाई जा सकती है। जल्द इस सडक मार्ग का एस्टीमेट बनाकर उच्च अधिकारियों को भेज दिया जाएगा। मंजुरी के बाद बजट आने पर इस सडक को बनवा दिया जाएगा,समस्या का नियमित रूप से समाधान हो जाएगा।

- राजीव चोपड़ा, सचिव, मार्केट कमेटी रादौर

युवाओं को नशे की लत से दूर कर शिक्षा की ओर प्रेरित करेगी हरियाणा ओड सभा

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 14 जून। समाज के विभिन्न मुद्दों को लेकर हरियाणा ओड सभा की एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता सभा के महासचिव राजेश ने की। इस अवसर पर उप प्रधान राजेश मुंडई विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में जिला प्रधान रामप्रकाश, प्रदेश सचिव राजकुमार गंगवानी, जिला सचिव विश्वनाथ खांभरा, जिला उपाध्यक्ष विजय कुमार पहलवान उपस्थित रहे। बैठक में समाज के उत्थान के लिए कार्य करने पर चर्चा की गई।

समाज में व्याप्त विभिन्न बुराईयों को दूर कर समाज को विशेषकर युवाओं को शिक्षा की ओर प्रेरित किया जाएगा। युवाओं को नशे की लत से दूर रखने के लिए समय-समय पर विशेष अभियान चलाए जाएंगे। बैठक में निर्णय लिया गया कि जल्द ही इस बारे में व्यापक अभियान चलाने की रूपरेखा तैयार की जाएगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि लड़कियों की शिक्षा को लेकर भी समाज में विशेष अभियान चलाया जाएगा। समाज की दहेज प्रथा के अभिशाप को भी समाप्त करने के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जाएगा ताकि समाज की बेटियों को कहीं भी नीचा न देखना पड़े।

चित्र परिचय : ओड सभा की एक बैठक में शामिल सदस्य। 14 हिसार 02

:::::::::::::::::::

कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत उकलाना में महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार/उकलाना, 14 जून। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा देशभर में चलाए जा रहे महत्वाकांक्षी संगठन सृजन अभियान के तहत उकलाना मंडी के अग्रवाल सेवा सदन में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के सीधे दिशा-निर्देशन में चल रहा यह अभियान पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने पर केंद्रित है।

सुबह 10:30 बजे आयोजित इस बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए। इनमें राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक जगदीश जांगिड़ एआईसीसी ऑब्जर्वर, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा हिसार जिले के लिए नियुक्त पर्यवेक्षक एवं पूर्व विधायक अमित सिहाग तथा जयपाल सिंह लाली व पंकज चौहान प्रमुख रूप से उपस्थित थे। इन नेताओं की मौजूदगी ने बैठक के महत्व को और बढ़ाया। बैठक के दौरान उकलाना हल्के में कांग्रेस संगठन के निर्माण और विस्तार पर विस्तार से चर्चा की गई।

गुजवि में विशेष योग आसन प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया

सवेरा न्यूज/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 14 जून। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में योग विज्ञान विभाग के सौजन्य से 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अंतर्गत विशेष योग आसन प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सावंत हस्पताल की डा. सत्या सावंत इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रही।

डा. सत्या सावंत ने मानव कल्याण व ध्यान के लिए विशेष योग आसन प्रदर्शन करवाया, जिसका कार्यक्रम में उपस्थित सभी शिक्षकों, गैरशिक्षक कर्मचारियों, विद्यार्थियों व उनके परिवार के सदस्यों ने भरपूर लाभ उठाया। डा. सत्या सांवत ने कहा कि वर्तमान समय में गलत जीवनशैली के कारण बढ़ती बीमारियों से बचने के लिए योग अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि योग स्वस्थ जीवन का आधार है। उन्होंने प्रतिभागियों को योग को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में योगा विभाग की अध्यक्षा प्रो. शबनम जोशी ने विशेष अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया तथा उपस्थित प्रतिभागियों को प्रतिदिन योगाभ्यास करने के लिए प्रेरित किया। योग कक्षा सत्र में फिजियोथेरेपी विभाग की अध्यक्षा प्रो. जसप्रीत कौर, प्रो. सुजाता सांघी, प्रो. अर्चना कपूर, डा. प्रज्ञा कौशिक, अंजु बिश्नोई व कोमल बिश्नोई, सोनू गोयल, विजय डाबला, मोहन सिंह तथा विद्यार्थियों व अन्य व्यक्तियों ने भाग लिया। मंच संचालन योगाचार्य मानव कुमार ने किया।

बरसात सीजन से पहले नालों व नालियों की साफ सफाई का काम पूरा कर लिया जाएगा: चिरंजीव

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

इस्माईलाबाद, 14 जून। नगरपालिका कार्यालय में लोगों की समस्याएं सुनने के लिए जनता बैठक का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं नपा चेयरपर्सन प्रतिनिधि चिरंजीव गर्ग ने की। लोगों ने इस बैठक में अपनी समस्याओं को रखा जिसमें गंदे व बरसाती पानी की निकासी, बस स्टैंड, गलियों व नालियों की समस्या को प्रमुखता से उठाया। वहीं नाई मोहल्ला वासियों ने बताया कि नाई मोहल्ले में नाली नीची होने के कारण नाले का पानी ओवरफ्लो होकर वापस गली में घुस रहा है। इससे गंदा पानी लोगों के घरों में घुस रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि बरसात से पहले नाली को ऊंचा कर दिया जाएगा। ताकि बरसाती पानी भी लोगों के घरों में न घुसे। इसके अलावा उन्होंने कहा कि शहर में बरसाती सीजन से पहले नालों की सफाई का कार्य जोरों पर चल रहा है। शहर के बीच हाईवे के दोनों और नाले की सफाई चल रही है ताकि बरसाती पानी आसानी से आगे जा सके। इसके अलावा शहर में सफाई के साथ अन्य परियोजनाओं पर काम चल रहा है। जल्द ही शहर की स्थिति में काफी सुधार नजर आएगा। इस मौके पर लोगों ने कई और समस्याएं भी रखी। जिनको भी दूर करने का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर पार्षद हर्ष नैन, अरुण सिंगला, दीपक पपनेजा, साहब सिंह प्रजापत, राजकुमार, रमेश कुमार, शादीराम, अरुण गुप्ता, पालाराम, अशोक कुमार आदि मौजूद रहे।

विश्व रक्तदाता दिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया

करनाल, 14 जून। रेडक्रॉस सचिव कुलबीर मलिक ने बताया कि विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में उपायुक्त एवं जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष उत्तम सिंह के मार्गदर्शन में गुडरिच फाउंडेशन करनाल के साथ मिलकर मेरठ रोड स्थित गुडरिच प्लांट में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में 110 रक्तदाताओं ने रक्तदान करने के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया। शिविर का आरंभ गुडरिच फाउंडेशन के एमडी अमित गर्ग और रेडक्रॉस सचिव कुलबीर मलिक ने रक्तदाताओं को बैज लगा कर किया। इस अवसर पर गुडरिच फाउंडेशन से संदीप नैन (वीपी), डायरेक्टर विशाल गुप्ता, जोगिंदर सिंह, गीता, निलेश कुमार, प्रेम नाथ, रेडक्रॉस कार्यालय से प्रदीप कुमार, सुरेंद्र कुमार, विजय कुमार उपस्थित रहे। इसके अलावा जेसीआई क्लब, निफा और हरियाणा रोडवेज ड्राइविंग स्कूल के साथ मिलकर कर्णेश्वर मंदिर सेक्टर-7 में भी रक्तदान शिविर लगाया गया जिसमें 80 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

मोबाइल वाटर टेस्टिंग लैब से गांव में ही पेयजल की गुणवत्ता की जांच

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

नारनौल, 14 जून। हरियाणा सरकार के निदेर्शानुसार जल जीवन मिशन के तहत जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा प्रदेश के लोगों को गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध करवाने हेतु मोबाइल वाटर टेस्टिंग लैब गांव-गांव जाकर पेयजल स्त्रोतों की रासायनिक जांच कर रही है।

1 जून को रेवाड़ी से नारनौल पहुंची यह मोबाइल लैब अब तक खंड नारनौल, निजामपुर और नांगल चौधरी की ग्राम पंचायतों में पेयजल स्त्रोतों की जांच कर चुकी है। वहीं अब यह लैब खंड सिहमा के गांवों के दौरे पर है।

जानकारी देते हुए जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने बताया कि शनिवार को मोबाइल लैब ने सिहमा खंड के शहरपुर, नूनी कलां, सलूनी, छापड़ा सलीमपुर, सुराना, सुरानी, गुवानी व खतरीपुर गांवों में पेयजल स्त्रोतों की जांच की।

जिला सलाहकार ने बताया कि सिहमा खंड के बाद यह मोबाइल लैब अटेली, कनीना होते हुए महेन्द्रगढ़ व सतनाली खंड की ग्राम पंचायतों में पेयजल स्त्रोतों की जांच करेगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार एवं विभाग का उद्देश्य है कि प्रदेश के हर उपभोक्ता को बीआईएस 10500 मानकों के अनुरूप शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो, ताकि प्रत्येक नागरिक का स्वास्थ्य सुरक्षित रह सके।

उन्होंने उपभोक्ताओं से अनुरोध किया कि वे पेयजल को रासायनिक व जैविक रूप से प्रदूषित होने से बचाएं और उसकी बबार्दी न करें।

इस मौके पर लैब सहायक उज्ज्वल कुमार, बीआरसी धर्मेंद्र कुमार तथा ग्राम जल एवं सीवरेज समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

बीटेक के बाद केवल प्राइवेट ही नहीं सरकारी नौकरी के भी मौके

बीटेक यानी बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी देश का सबसे लोकप्रिय अंडर ग्रेजुएट कोर्स है जिसे हर साल स्टूडेंट द्वारा अपने करियर का हिस्सा बनाया जाता है। चार साल के इस कोर्स को इंजीनियरिंग के क्षेत्र का प्रवेश द्वार माना जाता है। इस कोर्स के बाद भविष्य में छात्रों को कई अवसर मिलते हैं ये अवसर नौकरी के क्षेत्र में तो मिलते ही हैं साथ ही हायर एजुकेशन के लिए भी यह एक बेहतर ऑप्शन है। आइए विस्तार से चर्चा कर लेते हैं कि बीटेक करने के बाद आप किस तरह अपना करियर बना सकते हैं।

हायर एजुकेशन

बीटेक करने के बाद छात्र आगे की पढ़ाई कर सकते हैं जहां वे एम.टेक या एमई के लिए जाना है, जो दोनों भारत में इंजीनियरिंग कॉलेजों द्वारा पेश किए जाने वाले पोस्टग्रेजुएट स्तर के प्रोफेशनल डिग्री प्रोग्राम हैं। एम.टेक का मतलब मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी है, जबकि एमई का मतलब मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग है। भारत में टॉप इंजीनियरिंग कॉलेजों जैसे आईआईटी और एनआईटी द्वारा पेश किए गए एमटेक प्रोग्रामों में चयनित होने के लिए छात्रों को इंजीनियरिंग में गेट ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के लिए उपस्थित होना पड़ता है।

एमबीए

बीटेक के बाद छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा ऑप्शन एमबीए है। इंजीनियरिंग ग्रेजुएट आमतौर पर कार्य अनुभव हासिल करने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी करने का विकल्प चुनते हैं और वे कुछ वर्षों के बाद MBA/PGDM प्रोग्राम को अपना लेते हैं। टॉप MBA कॉलेजों में शामिल होने के लिए छात्रों को CAT और CMAT जैसे लोकप्रिय एमबीए एंट्रेंस एग्जाम में शामिल होना होता है।

कैंपस प्लेसमेंट

आमतौर पर कॉलेजों में प्लेसमेंट के जरिए छात्रों का चयन होता है। देश की अलग-अलग कंपनियां कॉलेजों में आकर छात्रों को नौकरी के लिए चुनते हैं। बीटेक के बाद, छात्रों को प्राइवेट कंपनियों द्वारा तकनीकी क्षेत्रों में एंट्री लेवल की नौकरी की भूमिकाओं के लिए काम पर रखा जाता है। आम तौर पर हायर एजुकेशन की इच्छा रखने वाले छात्र अपने फील्ड में अनुभव लेने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी लेते हैं।

प्राइवेट कंपनियां

जो छात्र कैंपस प्लेसमेंट का विकल्प नहीं चुनना चाहते हैं वे अपना बीटेक प्रोग्राम पूरा करने के बाद नौकरी के लिए विभिन्न प्राइवेट कंपनियों में भी नौकरी के लिए अप्लाई कर सकते हैं। एंट्री लेवल की तकनीकी भूमिकाओं में निजी कंपनियों में शामिल होने के बाद छात्र कॉरपोरेट वर्ल्ड में अपने पैर जमा कर एक्सपीरियंस ले सकते हैं और आगे बढ़ सकते हैं।

इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम

इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम यूपीएससी द्वारा आयोजित एक नेशनल लेवल का एग्जाम है। जो छात्र बीटेक की पढ़ाई के बाद डिफेंस, पीडब्ल्यूडी, रेलवे आदि की परीक्षा में भाग लेना चाहते हैं उनके लिए यह एक बेहतर ऑप्शन है।

पीएसयू नौकरियां

बीटेक करने के बाद छात्र इंजीनियरिंग के लिए गेट यानी ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के माध्यम से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में तकनीकी नौकरी भी कर सकते हैं। कई पीएसयू के छात्रों को उनके गेट स्कोर के आधार पर एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए नियुक्त करते हैं। कुछ पीएसयू जैसे सीआईआई, इसरो और बीएआरसी भी एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए बीटेक छात्रों की स्क्रीनिंग के लिए अपनी परीक्षा आयोजित करते हैं।

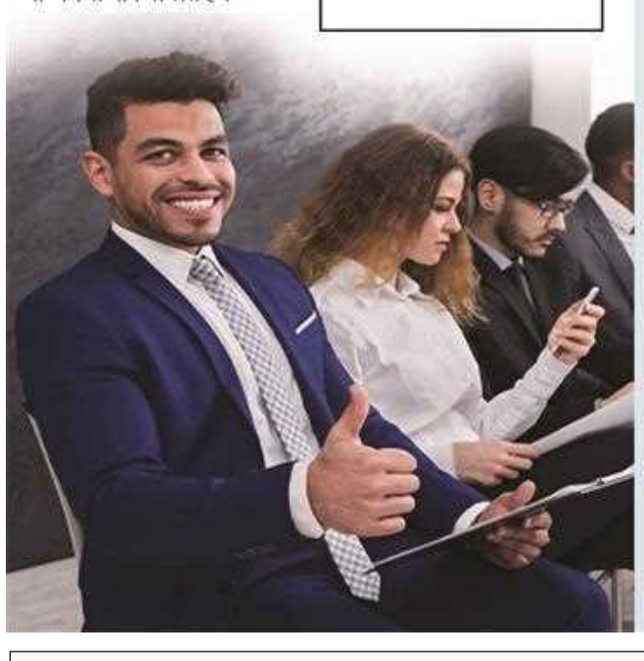

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन में कैसे शुरू करें कॅरियर और क्या है इसके लिए आवश्यक कौशल

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है।

डिजिटल क्रांति ने व्यापार की दुनिया को काफी बदल दिया है, विशेष रूप से डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में और एसईओ में करियर के रूप में नए अवसर खोले हैं। मार्केटिंग के भीतर पूरे नए टूलकिट सामने आए हैं, जो कुछ दशक पहले अकल्पनीय था। एसईओ आज मार्केटिंग के उन महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है जिसने पिछले एक दशक में एसईओ नौकरी के अवसरों की संख्या में काफी इजाफा किया है। सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है। एसईओ एक ऐसा पेशेवर व्यक्ति होता है जो सर्च इंजन परिणामों के पीछे एल्गोरिदम को सीखने और उसमें महारत हासिल करने में माहिर होता है ताकि वे अपने ग्राहकों और कंपनियों को सर्च करने में मदद कर सकें। आजकल एसईओ पेशेवर उच्च मांग में हैं। एसईओ विशेषज्ञों को डिजिटल और सामग्री विपणन कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में वेब डेवलपर्स द्वारा सामग्री विपणक के रूप में और कई अन्य भूमिकाओं में काम पर रखा जाता है, केवल इसलिए कि डिजिटल अभियानों को सफल बनाने के लिए कंपनियों को वेब ट्रैफिक की आवश्यकता होती है।

क्या करता है एसईओ ?

जैसे-जैसे अधिक से अधिक व्यवसाय ऑनलाइन होते जा रहे हैं वे प्रतिदिन और भी अधिक सामग्री का उत्पादन कर रहे हैं और अपने ब्लॉग या लेख के जरिये स्टैंड करना और दृश्यता हासिल करना चुनौतीपूर्ण हो गया है, खासकर यदि आप इस क्षेत्र में नए हैं। सही विजिबिलिटी के बिना व्यवसायों के लिए अपने लक्षित दर्शकों तक पहुंचना, अपनी ब्रांड की उपस्थिति बनाना और अपनी वेबसाइट के माध्यम से विश्वास पैदा करके और एक मजबूत मूल्य प्रस्ताव पेश करके संभावनाओं को आकर्षित करना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए एसईओ में करियर आपको ऑर्गेनिक तरीकों के माध्यम से सर्च इंजन पर ब्रांड विजिबिलिटी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने की मांग करेगा।

एसईओ कैसे काम करता है?

एसईओ कॅरियर के अवसरों के साथ आप मुख्य रूप से दो मूल सिद्धांतों के साथ काम करेंगे- अत्यधिक प्रासंगिक कीवर्ड-रिच कंटेंट विकसित करना और वेबसाइट और वेब पेजों के लिए गुणवत्ता वाले बैकलिंक बनाना। सर्च इंजन ने एक व्यापक सूचकांक बनाया है जो सर्च क्वेरी के लिए प्रासंगिकता के क्रम में क्रमबद्ध है। इस प्रकार जब उपयोगकर्ता एक खोज क्वेरी में प्रवेश करता है तो सर्च इंजन जल्दी से अपने सूचकांक के माध्यम से चलता है और तुरंत परिणाम देता है। प्रत्येक कीवर्ड के लिए खोजकर्ता सर्च इंजन में इनपुट करता है।

इंडेक्सेशन के लिए ये सर्च इंजन क्रॉलर पर भरोसा करते हैं और इसलिए ऐसा नाम दिया गया है क्योंकि एक स्पाइडर की तरह वे पूरी वेब डायरेक्टरी को क्रॉल करते हैं। बैकलिंक्स गूगल बॉट्स को आपकी सामग्री को शीघ्रता से खोजने में मदद करते हैं क्योंकि वे अधिक आधिकारिक साइटों पर अधिक बार क्रॉल करते हैं। साथ ही अच्छे ऑर्गेनिक बैकलिंक्स आपकी वेबसाइट के लिए विश्वास और प्रासंगिकता का एक मीट्रिक है जो उपस्थिति और रैंक को बढ़ाने में मदद करता है। इसलिए एक प्रासंगिक आधिकारिक साइट से बैकलिंक्स प्राप्त करना कॅरियर के अवसरों के आवश्यक पहलू होते हैं। इसके साथ ही केवल कुछ डोमेन के बजाय कई डोमेन से बैकलिंक प्राप्त करना आवश्यक होता है। गुणवत्ता वाले बैकलिंक आपकी रैंकिंग को त्वरित अवधि में बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे सकते हैं और इन सभी विभिन्न आधिकारिक वेबसाइटों से बड़ी मात्रा में रेफरल ट्रैफिक भी प्रदान कर सकते हैं। इसके अलावा एक गुणवत्तापूर्ण सामग्री बनाने और उच्च-गुणवत्ता वाले बैकलिंक्स प्राप्त करने के लिए आपकी गतिविधियों भी समय लेने वाली और एक श्रमसाध्य कार्य हो सकती हैं। इसलिए आपको एक उचित योजना के साथ काम करने और धैर्य रखने की आवश्यकता होगी।

किस तरह के कौशल की जरूरत होती है ?

एसईओ अधिक से अधिक जटिल होता जा रहा है क्योंकि सर्च इंजन एल्गोरिदम पर्याप्त रूप से उन्नत होते जा रहे हैं। इसलिए, एसईओ में कॅरियर आज कई कौशलों में महारत हासिल करने की मांग करता है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण आपको बाजार के रुझानों के साथ बने रहने के लिए एक डायनामिक लर्नर होने की आवश्यकता होती है। सर्च इंजन एक वर्ष के भीतर कई अपडेट लाते हैं और इस बात पर नजर रखना कि वे आपके व्यवसाय को कैसे प्रभावित कर सकते हैं, महत्वपूर्ण होने जा रहा है क्योंकि विभिन्न अपडेट आते रहते हैं। इसके बाद आपको मुख्य एसईओ कौशल में अपने लिए एक मजबूत नींव बनाने की जरूरत होती है। आपको डिजिटल मार्केटिंग के नट और बोल्ट को समझने और व्यावसायिक कौशल विकसित करना शुरू करने की आवश्यकता होती है। आपको नजर रखने और विश्लेषण करने की आवश्यकता है कि प्रतियोगी कैसे आगे बढ़ रहे हैं और इस पर शोध फिर से पूरी तरह से सुनिश्चित होने वाला है। इसके आलावा आपको वेब फंडामेंटल, डेटाबेस तकनीकों और विशेष रूप से फ्रंट एंड, वेबसाइट प्रबंधन के फाइल प्रबंधन पहलुओं की एक ठोस समझ होनी चाहिए। विश्लेषणात्मक कौशल अत्यधिक मूल्यवान होने जा रहे हैं। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको अपने प्रयासों के प्रभाव और परिणाम को मापने के लिए गूगल विश्लेषिकी और गूगल सर्च कंसोल के साथ समझने और काम करने की आवश्यकता होती है। आप विविध स्रोतों से प्रतिदिन आने वाली ढेर सारी सूचनाओं के साथ काम कर रहे होंगे। इसलिए आपको न केवल इसका अर्थ निकालने के लिए विश्लेषणात्मक कौशल की आवश्यकता होगी, बल्कि जानकारी को प्राथमिकता भी देनी होगी। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको व्यावसायिक परिदृश्य को समझने और गहन प्रतिस्पर्धा विश्लेषण करने की आवश्यकता होगी। बैकलिंक प्रोफाइल को समझने के लिए एक टैब रखें कि वे क्या बना रहे हैं, वे किस प्रकार की सामग्री पोस्ट कर रहे हैं और वे कौन सी प्रेस विज्ञप्ति कर रहे हैं।

आप कैसे शुरुआत कर सकते हैं ?

पहले सर्च इंजन विजिबिलिटी और रैंकिंग के लिए वेबसाइट सेट करना वेबसाइट डेवलपर्स और एडमिन का डोमेन हुआ करता था। लेकिन एक अलग डोमेन और स्वतंत्र अभ्यास के रूप में एसईओ के उदय के साथ अब यह बदल गया है। यदि आप मार्केटिंग, ब्लॉगिंग, एनालिटिक्स के बारे में सीरियस हैं तो यह आपके लिए शुरुआत करने के लिए यह सही क्षेत्र है। इस अभ्यास में उत्कृष्ट विकास क्षमता है। जैसे-जैसे आप अधिक कौशल प्राप्त करते रहेंगे और अपने व्यवसाय और संचार कौशल का निर्माण करते रहेंगे, आप समय के साथ अपने आप से एक डिजिटल मार्केटिंग प्रबंधक बनने की उम्मीद कर सकते हैं। एसईओ में कॅरियर फ्रीलांसिंग स्पेस में कई अवसर भी खोलता है। यदि आप विज्ञान पृष्ठभूमि से नहीं आते हैं तो भी एसईओ कॅरियर के अवसरों में प्रवेश पाना असंभव नहीं होगा। कुछ तकनीकी अवधारणाएँ होंगी जिनमें आपको महारत हासिल करने की आवश्यकता होगी, लेकिन जब आप कोशिश करना शुरू करेंगे तो यह अंततः आपके पास आ जाएगी।

बनना है सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर तो इन बातों का हमेशा रखें ध्यान

फिटनेस के क्षेत्र में जॉब की संभावनाएं बढ़ती जा रही हैं। युवा तो युवा, अधिक उम्र के लोग भी फिटनेस ट्रेनर बनने की तरफ अपने कदम बढ़ा रहे हैं। यह माना जा रही है कि आने वाले वक्त में फिटनेस ट्रेनिंग इंडस्ट्री में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। केवल एक लीन बॉडी पाने की चाहत ने ही नहीं बल्कि हेल्थी लाइफस्टाइल की जरूरत ने भी इस क्षेत्र में इतनी वृद्धि की है। एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर के लिए जॉब की अपार संभावनाएं मार्केट में मौजूद हैं। इतना बेहतर करियर लेकिन सवाल सिर्फ एक- 'कैसे बना जाए सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर'। चलिए आज हम आपको विस्तार से बताते हैं कि एक फिटनेस ट्रेनर बनने के लिए आपके पास कौन- से गुण होने चाहिए और आप कैसे बन सकते हैं एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर। फिटनेस ट्रेनर के रूप में करियर चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान में।

डेवलप करें जरूरी स्किल्स

फिटनेस के क्षेत्र में करियर बनाना आसान नहीं है। यदि आप इस इंडस्ट्री में प्रवेश करना चाहते हैं, तो आपको फिटनेस फ्रीक बनना होगा और दूसरों को भी फिटनेस हासिल करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध होना होगा। फिटनेस ट्रेनर व्यक्तियों को उपयुक्त फिटनेस प्रोग्राम का पालन करने के लिए मोटिवेट करते हैं ऐसे में खुद को फिट रखना बेहद जरूरी है। एक फिटनेस ट्रेनर के पास अलग-अलग तरह के लोगों से निपटने के लिए अच्छे कम्यूनिकेशन स्किल की जरूरत पड़ती है।

सर्टिफिकेशन कोर्स में करें रजिस्टर

फिटनेस क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए किसी मान्यता प्राप्त ऑर्गनाइजेशन से सर्टिफाइड होना बेहद जरूरी है। कई संगठन लिखित और प्रैक्टिकल एग्जामिनेशन के साथ विभिन्न प्रकार के फिटनेस ट्रेनिंग कोर्स प्रदान करते हैं। इन सर्टिफिकेशन कोर्स की अवधि 2-3 महीने की हो सकती है जिसकी फीस 10,000-30,000 रुपये के बीच हो सकती है। ज्यादातर सर्टिफिकेशन 2-3 सालों में समाप्त हो जाते हैं और उन्हें रिन्यू करने की जरूरत होती है।

स्पेशलिस्ट सर्टिफिकेशन जरूरी

आप फिटनेस ट्रेनिंग के क्षेत्र में भी अपनी स्पेशलाइज्ड फील्ड में सर्टिफिकेशन ले सकते हैं। यह बेहद जरूरी भी है। अगर आप वेट लिफ्टिंग आदि में रुचि रखते हैं तो उसमें भी सर्टिफिकेशन कोर्स किया जा सकता है।

शुरू करें अपना फिटनेस बिजनेस

एक बेहतर फिटनेस बनने की चाह रखने वालों के लिए अपना बिजनेस शुरू करना बेहद लाभदायक हो सकता है।

ऑन जॉब ट्रेनिंग

अगर आप एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर बनना चाहते हैं तो आपको वर्क एक्सपीरियंस होना बेहद आवश्यक है। ज्यादातर फिटनेस ट्रेनर अपने अनुभव के कारण सफलता प्राप्त कर पाते हैं। प्रोफेशनल एक्सपीरियंस हासिल करने के लिए फ्रेशर्स फिटनेस ट्रेनर के अंडर असिस्टेंट का कार्य भी कर सकते हैं और काफी कुछ सीख सकते हैं।

सम्पादक, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक नेहा वालिया द्वारा साई प्रिंटिंग प्रैस, बी-868, न्यू अशोक नगर, दिल्ली-110096 से मुद्रित एवं वालिया सदन वार्ड संख्या 10, लोहारू, भिवानी (हरियाणा) 127201 से प्रकाशित। समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों के लिए पीआरबी एट के तहत उत्तरदायी। फोनः01252-259260, 9255149495, ईमेलः haryanavatika@gmail.com हरियाणा वाटिकाः- प्रेरणास्त्रोत- स्व. डॉ. एल सी वालिया, समूह संपादक एवं संरक्षक- श्रीमति सरला वालिया, संपादक- श्रीमति नेहा वालिया, कार्यकारी संपादक- श्रीमति रितू वालिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।